शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paà¿er : www.goodluckà¿ublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 57 | गुवाहाटी | मंगलवार, 24 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

नौकरशाही में आधी रात बड़ा फेरबदल, भजनलाल .... पेज 2
एचडी कुमारस्वामी ने एंड्रयू यूल समूह के स्वामित्व वाले चाय बागानों और श्रमिकों ... पेज 3
कांग्रेस और जातिवादी पार्टियों को बिगड़े दिनों में याद आते हैं दलित : मायावती पेज 5
यूएसएन इंडियंस ने जीता उत्तराखंड प्रीमियर लीग के उद्घाटन संस्करण का खिताब पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भारत वैश्विक प्रगति का उत्प्रेरक बन अपना प्रभाव बढ़ा रहा : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अमेरिका के न्यूयॉर्क में भारतीय समुदायों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत आज वैश्विक विकास, शांति, जलवायु कार्रवाई, कौशल और सप्लाई चैन मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। इसके पीछे भारत का मकसद दुनिया में दवाब बढ़ाना नहीं बल्कि प्रभाव बढ़ाना है। हम सूरज की तरह रोशनी देने वाले हैं। हम विश्व पर दबदबा नहीं चाहते हैं, हम विश्व की समृद्धि में अपना सहयोग बढ़ाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान आज न्यूयॉर्क के लॉन्ग आईलैंड में आयोजित *मोदी एंड अमेरिका* नामक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि ह्यूस्टन और लॉस एंजेलिस में भारत महावाणिज्य दूतावास खुलेगा और ह्यूस्टन यूनिवर्सिटी में तिरुवल्लुवर चेयर ऑफ तमिल स्टडीज की शुरुआत की जाएगी। भारत और अमेरिकी संबंधों को आधुनिक तकनीकी विकास कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि यह एस्पिरेशनल इंडिया (आकांक्षी भारत) का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एआई का अर्थ अमेरिकन इंडियन है, जो दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने तीसरी बार देश में सत्ता वापसी को ऐतिहासिक बताया और उनके विजन से जोड़ते हुए इसे *पुष्प* की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि *पुष्प* (पीयूएसएचपी) का अर्थ प्रोग्रेसिव इंडिया, अनस्टॉपेबल इंडिया, स्पिरिचुअल इंडिया, ह्यूमैनिटी फर्स्ट इंडिया और प्रॉस्पर इंडिया है। अर्थात् भारत प्रगति, निरंतरता, आध्यात्मिकता, मानवता और समृद्धि के मूल्य और सपनों के साथ आगे बढ़ रहा है। अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय को भारत का राष्ट्रीय दूत बताते हुए उन्होंने कहा कि वह आज भी अपने जड़ों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई समुद्र इतना गहरा नहीं है जो सात समंदर पार आए इन भारतीयों को अपनी पहचान से दूर कर सके। यहां रहने वाला भारतीय समुदाय अलग-अलग भाषा बोलता है लेकिन उनका भाव एक है भारत माता की जय। भारत की वैश्विक नीति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत कुछ कहता है तो दुनिया सुनती है। अभी तक हम सबसे दूरी बनाकर चलते थे लेकिन अब हम सबसे करीबी बना कर चल रहे हैं। हमारा मानना है कि ज्ञान दूसरों के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम आतिशी और केजरीवाल को कोर्ट में पेश होने का समन जारी

बीजेपी नेता ने दायर किया था मानहानि का मुकदमा

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने मुख्यमंत्री आतिशी और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य को उनके खिलाफ दायर मानहानि मामले में तीन अक्टूबर को पेशी का समन जारी किया है। अदालत अब आरोपों की दलीलों पर भी उक्त तारीख को विचार करेगी। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तान्या बामनियाल ने आरोप और आरोपी व्यक्तियों की उपस्थिति पर बहस के लिए मामले को तीन अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध किया है। भाजपा -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
निंदा से घबराकर अपने लक्ष्य को न छोड़ना क्योंकि लक्ष्य प्राप्त होते ही निंदा करने वालों की राय बदल जाती है। – **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

बिजली गिरने से स्कूली बच्चे समेत 8 लोगों की मौत

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में सोमवार को आकाशीय बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई है तथा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। मृतकों में कुछ स्कूली बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के सोमनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत जोरातराई गांव में आज अपराह्न करीब डेढ़ बजे आकाशीय बिजली गिरने से कुछ स्कूली बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई तथा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। राजनांदगांव जिले के पुलिस – शेष पृष्ठ दो पर

सोनोवाल असम ओलंपिक संघ के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल रविवार को असम ओलंपिक संघ (एओए) के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। एओए की आम सालाना बैठक के बाद भाजपा नेता लाख्या कोंवर को महासचिव चुना गया। मुरलीधर चौधरी, कबीरंजन ब्रह्म, राज काकती, बनी – शेष पृष्ठ दो पर

मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर, एके 47 राइफल व नक्सल सामग्री बरामद

नारायणपुर (हिंस)। जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र अंतर्गत छत्तीसगढ़ के नारायणपुर और महाराष्ट्र सीमा पर सोमवार शाम को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को ढेर कर दिया गया है, जिनमें दो पुरुष और एक महिला है। सर्चिंग के दौरान तीनों नक्सलियों के शवों के पास से एक एके 47 राइफल सहित कई अन्य हथियार, गोला-बारूद एवं नक्सल सामग्री बरामद की गई है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि तीन नक्सली मारे गये हैं। नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर सर्चिंग अभियान के लिए संयुक्त सुरक्षाबलों के जवानों को रवाना किया गया था। आज सोमवार -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदू आबादी में मदरसा आवंटन के खिलाफ मावली बंद

उदयपुर (हिंस)। दो साल पहले फरवरी 2022 में उदयपुर जिले के मावली में मदरसे के लिए आवंटित की गई भूमि को लेकर सम्पूर्ण मावली तहसील मुख्यालय सोमवार को बंद रहा। मदरसे का विरोध इतना था कि बंद में चाय भी मयस्सर नहीं हुई। लोगों ने सर्व समाज के बैनर तले आक्रोश रैली निकाली और आवंटित भूमि को तुरंत निरस्त करने की मांग की। इस बीच, क्षेत्रीय सांसद सीपी जोशी ने ऐलान किया है कि जल्द ही आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा। बंद के आह्वान पर मावली उपखण्ड मुख्यालय सहित आसपास के गांव भी मदरसे को जमीन आवंटन के विरोध में -शेष पृष्ठ दो पर

वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर : घी सप्लाई करने वाली कंपनी के 4 सैंपल हुए थे फेल, अब लाइसेंस रद करने की तैयारी!

नई दिल्ली। तिरुपति के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में जानवर की चर्बी मिला घी सप्लाई करने वाली कंपनी एआर डेयरी का लाइसेंस रद्द हो सकता है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथोरिटी आफ इंडिया (एफएसएसएआइ) ने कंपनी को मिलावट की शिकायत पर लाइसेंस रद्द करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा भेजे गए सैंपल की टेस्ट रिपोर्ट के आधार पर एफएसएसएआइ ने नोटिस जारी किया है। ध्यान देने की बात है कि किसी भी तरह का खाद्य पदार्थ को बाजार में बेचने के लिए एफएसएसएआइ का लाइसेंस अनिवार्य है ताकि उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि टीटीडी द्वारा भेजे गए रिपोर्ट के अनुसार मंदिर में लड्डू बनाने के लिए चार कंपनियों द्वारा घी सप्लाई किया जाता था। इनमें से सिर्फ एक कंपनी एआर डेयरी के नमूने फेल हुए। टीटीडी के अनुसार, कंपनी के चार नमूने लिए गए थे और चारों में फेल हो गए। इन नमूनों में जानवरों की चर्बी की मिलावट के प्रमाण पाए गए। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

सूरत में ट्रेन को बेपटरी करने के षड्यंत्र में रेलकर्मी ही आरोपी, प्रमोशन के लिए दिया घटना को अंजाम

सूरत (हिंस)। गुजरात में सूरत के कीम-कोसंबा के बीच शनिवार को ट्रेन को बेपटरी करने की जिस साजिश को नाकाम कर दिया गया था, उस मामले में रेलवे का एक कर्मचारी ही षड्यंत्रकारी है। यह बड़ा खुलासा जांच एजेंसियों की गहन छानबीन में हुआ है। आरोपी कर्मचारी ने अपनी सतर्कता दर्शाने और पदोन्नति हासिल करने के लिए इस घटना को – शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में 12 देशों के राजदूतों को ले जा रही बस पर आंतकी हमला

पेशावर। पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं जब 12 देशों के राजदूत एक बस के जरिए इस्लामाबाद जा रहे थे और उनके काफिले के पास एक बम धमाका हुआ। यह घटना खैबर पख्तूनख्वा के स्वात जिले में मालम जब्बा रोड पर हुई। धमाके के समय राजदूतों के काफिले के आगे और पीछे भारी पुलिस और सेना तैनात थी, फिर भी यह सुरक्षा चूक हुई। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, इस काफिले में इंडोनेशिया, पुर्तगाल, कजाकिस्तान, बोस्निया और हर्जेगोविना,

जिम्बाब्वे, रवांडा, तुर्कमेनिस्तान, वियतनाम, ईरान, रूस और ताजिकिस्तान के राजदूत शामिल थे। जब काफिला मिंगोरा शहर से होटल की ओर जा रहा था, तब यह धमाका हुआ। धमाका एक रिमोट से सक्रिय किए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (ङ्घश्वष्ठ) द्वारा किया गया था। धमाके में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। स्वात के डीआईजी मुहम्मद अली खान ने बताया कि संदिग्धों की तलाश की जा रही है, लेकिन अभी तक किसी आतंकवादी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। सभी राजदूतों -शेष पृष्ठ दो पर

जबतक मैं जिंदा हूं ना आरक्षण खत्म होगा ना ही संविधान पर आएगा खतरा : चिराग

पलामू। लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय फूड प्रोसेसिंग व उद्योग मंत्री चिराग पासवान सोमवार को पलामू के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। उन्होंने जिले के नीलाम्बर पितांबरपुर (लेस्लीगंज) प्रखंड में नवनिर्मित वीर बाबा चौहमल पार्क में पार्टी के संस्थापक स्व. रामविलास पासवान एवं वीर बाबा चौहमल की मूर्ति का अनावरण किया। उनके साथ जमुई के सांसद सह झारखंड प्रभारी अरुण भारती, सह प्रभारी सह खगडिया के सांसद राजेश वर्मा भी थे। पांकी के भाजपा विधायक डा. शशिभूषण मेहता ने केंद्रीय मंत्री को चांदी का मुकुट पहनाकर एवं तलवार देकर स्वागत किया। इसी तरह लोजपा (रा.) के दोनों सांसदों का भी स्वागत किया। बता दें कि पांकी विधायक के द्वारा वीर बाबा चौहरमल पार्क का निर्माण कराया गया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान निर्धारित समय से कुछ घंटे विलंब से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उन्हें देखने एवं सुनने के लिए लोगों की भारी भीड़ लगी रही। मंत्री चिराग जैसे ही मंच पर आए, उपस्थित लोगों ने उनका अभिवादन किया। मंत्री ने भी हाथ हिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। मौके पर उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि संविधान को खतरा एवं आरक्षण को खत्म करने को लेकर विरोधियों के द्वारा लगातार अफवाह उड़ाई जा रही है। लेकिन मैं यहां स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि जबतक मैं जिंदा हूं ना आरक्षण खत्म होगा ना ही संविधान पर खतरा आएगा। उन्होंन राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर हमला बोलते -शेष पृष्ठ दो पर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की जयपुर यात्रा में सुरक्षा चूक, सुरक्षा घेरा तोड़कर नजदीक पहुंचा छात्र

जयपुर (हिंस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की जयपुर यात्रा के दौरान सोमवार को सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। वह आज सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन स्कूल के कैंपस में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर बने सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने आए थे। कार्यक्रम के बाद वह एयरपोर्ट के लिए रवाना हो रहे थे, तभी एक छात्र सुरक्षा घेरा तोड़कर उनके पास पहुंच गया। सुरक्षाकर्मियों ने छात्र को वहां से हटाया। हालांकि, बाद में राजनाथ सिंह ने छात्र को अपने पास बुलाया और उसकी बात सुनी। छात्र हर्ष भारद्वाज ने कहा कि वह 10वीं क्लास में पढ़ता है और जयपुर में अकेला रहता है। उसकी मम्मी झालावाड़ में सरकारी टीचर हैं। उनका ट्रांसफर यहां नहीं हो रहा है। जयपुर पुलिस ने सुरक्षा घेरा और -शेष पृष्ठ दो पर

इजरायल ने लेबनान पर बरसाए रॉकेट, 182 से ज्यादा की मौत

बेरुत। लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी विस्फोट के बाद इजरायल ने अब हिजबुल्ला के साथ सीधे तौर पर युद्ध छेड़ दिया है। सोमवार को इजरायल ने हिजबुल्ला के ठिकानों पर भीषण हमले किए, जिसमें 182 से अधिक लोगों की मौत हो गई और 727 से अधिक घायल -शेष पृष्ठ दो पर

तकनीक के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं को आकार दें : ओम बिरला

नई दिल्ली (हिंस)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में 10वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन के पूर्ण सत्र की अध्यक्षता करते हुए विधानमंडलों की कार्यकुशलता और कार्यप्रणाली में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने आग्रह किया कि तकनीक के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए विधायी संस्थाएं विभिन्न मंचों पर चर्चा करें और जनकल्याणकारी योजनाओं को आकार दें। बिरला ने आगे कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जब प्रौद्योगिकी और संचार माध्यम लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन गए हैं, जनप्रतिनिधियों को लोगों की लोकतंत्र से बढ़ती आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को पूरा करने के तौर-तरीके और साधन विधायी संस्थाओं के माध्यम से खोजने चाहिए। इस सत्र में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह और देश के राज्य विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों ने -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में मिला मंकीपॉक्स का खतरनाक स्ट्रेन 1बी

नई दिल्ली। भारत में एमपॉक्स स्ट्रेन का पहला मामला सामने आया है, जिसके कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले महीने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि केरल के एक मरीज में पिछले सप्ताह वायरस के लक्षण पाए गए थे। अधिकारियों ने एजोंसी को बताया कि मलप्पुरम जिले के 38 वर्षीय व्यक्ति में क्लेड 1बी स्ट्रेन पाया गया है, जो हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात से लौटा था। सूत्रों ने बताया कि मरीज की हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि यह मौजूदा स्ट्रेन का पहला मामला है, जिसके कारण -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements à¿lease contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoà¿à¿ers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

नौकरशाही में आधी रात बड़ा फेरबदल, भजनलाल सरकार ने 22 आइएएस, 58 आइपीएस बदले

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की नौकरशाही में बड़ा फेरबदल हुआ है। भजनलाल सरकार ने रविवार आधी रात 22 आईएएस और 58 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। जबकि 12 अधिकारियों को अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है, इनमें आठ आईएएस और चार आईपीएस शामिल हैं। गुजरे सोलह दिन में यह दूसरा मौका है जब आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इससे पहले पांच सितंबर को आईएएस की जंबो तबादला सूची जारी की गई थी। राजस्थान में आईपीएस और आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची को लेकर पिछले कई दिनों से मंथन चल रहा था। आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची में तीन संभागीय आयुक्त और छह जिलों के कलक्टर बदले गए है, वहीं आईपीएस की तबादला सूची में दो रेंज आईजी और 15 जिलों के एसपी बदले गए हैं। आईएएस की तबादला सूची में ज्यादातर नाम वही है जिनका पिछली सूची में तबादला किया गया था। इसमें तीन संभाग और छह जिलों में कलक्टर बदले गए है। जोधपुर, कोटा और पाली में संभागीय आयुक्त बदले गए है। इसके अलावा डीडवाना, सवाई माधोपुर, राजसमंद, डीग, ब्यावर और चूरू जिले में कलक्टर बदले गए है। आईपीएस अधिकारियों की तबादला सूची में 11 एडीजी, आठ आईजी, 12 डीआईजी व 26 एसपी स्तर के अधिकारियों को बदला गया है। गोविंद गुप्ता को पदोन्नत होने के बाद डीजी जेल का जिम्मा दिया गया है। इस सूची में 15 जिलों के एसपी बदले गए हैं तथा दो रेंज के आईजी बदले गए हैं। जयपुर पुलिस कमिश्नर के पद पर बीजू जॉर्ज जोसफ व एडीजी क्राइम पद पर दिनेश एमएन को बरकरार रखा गया है। सूची में भवानी सिंह देथा को प्रमुख सचिव आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा पद्धति, अंबरीश कुमार को सचिव, चिकित्सा शिक्षा, उर्मिला राजोरिया को सचिव प्रशासनिक सुधार विभाग, प्रतिभा सिंह को संभागीय आयुक्त, जोधपुर, राजेंद्र विजय को संभागीय आयुक्त, कोटा, हरिमोहन मीणा को प्रबंध निदेशक, वित्त निगम, ओम प्रकाश कसेरा को प्रबंध निदेशक राजस्थान ऊर्जा विकास, पुखराज सेन को कलक्टर, डीडवाना–कुचामन, शुभम चौधरी को कलक्टर सवाईमाधोपुर, डॉ. भंवर लाल को प्रबंध निदेशक जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, पीयूष सामरिया को कार्यकारी निदेशक रूडसीको, राजेंद्र वर्मा को प्रबंध निदेशक, खाद्य और नागरिक आपूर्ति निगम, बालमुकुंद असावा को कलक्टर राजसमंद, खुशाल यादव को संयुक्त सचिव, वित्त (कर) विभाग, अरुण हसीजा को आयुक्त नगर निगम हेरिटेज, सीओ स्मार्ट सिटी, उत्सव कौशल को कलक्टर, डीग, महेंद्र खडगावत को कलक्टर, ब्यावर, अभिषेक सुराना को कलक्टर, चूरू, अतुल प्रकाश को सीईओ भिवाड़ी इंटीग्रेटेड विकास प्राधिकरण, सलोनी खेमका को निदेशक स्वच्छ भारत मिशन, मृदुल सिंह को सीओ (माडा) भरतपुर, आव्हाय निवृत्ति सोमनाथ सीईओ (माडा) धौलपुर भेजा गया है।

Advertisement for PM YASASVI Central Sector Scheme of Top Class Education in Schools for OBC Students for the Academic Year 2024-25

National Scholarship Portal (NSP) is open for a scheme namely "PM YASASVI Central Sector Scheme of Top Class Education in Schools for OBC Students" for The Academic Year 2024-25.

The link of the portal is www.scholarship.gov.in

Eligibility Criteria:

1. Student should belong to OBC community.
2. Student should belong to Top Class Schools (Top Class Schools are those schools whı score constantly 100% pass percentage in the classes of 10th and 12th).
3. Parent's annual income should be less than Rs.2.5 lakh.

Scholarship Amount:

1. Rs.75,000/- (Rupees seventy five thousand) only for class 9 students.
2. Rs.1,25,000/- (Rupees one lakh twenty five thousand) only for class 11 students.

Procedure for Application:

1. The applicant should visit NSP portal and register themselves in NSP through "NSP OTR" app available in Google Play store and perform Face-authentication for generating One Time Registration (OTR) number which has made mandatory for applying scholarship from the year 2024-25.
2. Aadhaar and mobile number registered with Aadhaar are mandatory for generating OTR. However for minor applicants who apply without Aadhaar, it will be mandatory for parent to provide Aadhaar.
3. Applicants are advised to give only that bank account details which remains in active mode so that payment of Scholarship doesn't fail as all the disbursement of Scholarship will be made through DBT mode. The authority shall not be responsible for any failure of transaction due to inactive or incorrect bank details.
4. Applicants to ensure that they have a bank account seeded with Aadhaar number.

The portal will remain open for inviting the applications till 30/09/2024.
The detailed guidelines for filling the form are available on the portal. Before filling up the form, the candidates are advised to check their eligibility as per the Scheme Guidelines.

Director,
Welfare of Scheduled Castes & Backward Classes,
Assam, Guwahati-6.

-- Janasanyog /D/6288/ 24/24-Sep-24

आतंकवादियों और पत्थरबाजों को जेल से बाहर निकालना चाहती है कांग्रेस : शाह

चंडीगढ़ (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जगाधरी में नॉन–स्टॉप विकास, भाजपा पर विश्वास जन आशीर्वाद रैली को संबोधित किया। इस दौरान अमित शाह ने जगाधरी से भाजपा प्रत्याशी चौधरी कंवरपाल गुर्जर, यमुनानगर से भाजपा प्रत्याशी घनश्याम दास अरोड़ा, रादौर से श्याम सिंह राणा और सढोरा से बलवंत सिंह के पक्ष में वोट डालने की अपील की।अमित शाह ने कहा कि सेना का हर 10 में से एक नौजवान हरियाणा से आता है और अपने बच्चों को देश की सेवा में भेजने वाली हरियाणा की माताओं को सारा देश प्रणाम करता है। अमित शाह ने कहा कि हरियाणा प्रदेश के जवान 40 साल से वन रैंक वन पेंशन की मांग कर रहे थे लेकिन कांग्रेस ने उनकी मांगों को कभी नहीं सुना। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने वन रैंक वन पेंशन लागू की। अमित शाह ने कहा कि जिस कश्मीर की सुरक्षा के लिए हमारे वीर जवानों ने शहादत दी, उसी कश्मीर में जाकर कांग्रेस पार्टी ने नेशनल कांफ्रेंस से गठबंधन कर लिया। अमित शाह ने कहा कि जो आतंकवादी और पत्थर बाज जेल में हैं, कांग्रेस उन्हें छो? देना चाहती है। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा के एक भी व्यक्ति में जान है, तब तक आतंकवाद को हरियाणा, पंजाब और कश्मीर में पनपने नहीं देंगे। कांग्रेस पार्टी ट्रिपल तलाक हटाने, राम मंदिर बनाने और आतंकवाद के देश से समाप्त होने का वोट बैंक की लालच में विरोध करती है लेकिन राहुल गांधी कितनी भी उछल कूद कर लें, देश का एजेंडा नहीं बदलेगा और मोदी के नेतृत्व में देश इसी प्रकार आगे चलता रहेगा। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद को दलित हितैषी बताती है और अमेरिका में जाकर राहुल गांधी अंग्रेजी में भाषण देते हैं कि देश विकसित हो गया है आरक्षण को खत्म कर देंगे। हमारे नायब सैनी क्रीमी लेयर को ब ?ाकर आरक्षण देने की बात कर रहे हैं।

अब किसानों को घर बैठे मिलेगा फसल का मंडी गेट पास

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में धान सहित सभी खरीफ फसलों की सरकारी खरीद के लिए इस बार किसानों को मंडी गेट पास के लिए लाइनों में खड़े होकर इंतजार नहीं करना पड़ेगा। हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एचएसएएमबी) द्वारा किसानों को एक नए मोबाइल एप से डिजिटल गेट पास जारी करने की प्रक्रिया आरंभ की गई है, जिससे अब किसान अपनी फसल का मंडी गेट पास स्वयं घर बैठे बना सकेंगे।

पृष्ठ एक का शेष

भारत वैश्विक प्रगति...

साझा करने, संपदा अन्यों की देखभाल और शक्ति सबको संरक्षण देने के लिए है। अपने भाषण में उन्होंने चेस ओलंपियाड में भारतीय टीम को मिली जीत का उल्लेख किया और साथ ही कहा कि 2036 में हम भारत में ओलंपिक खेलों के साक्षी बनेंगे। वहीं दैनिक दिनचर्या को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि हम अपने लाइफ स्टाइल में थोड़े से बदलाव करके भी पर्यावरण की बहुत मदद कर सकते हैं। आजकल भारत में एक पेड़ मां के नाम लगाया जा रहा है। मां जिंदा तो साथ ले जाना, नहीं है तो तस्वीर ले जाना, ये अभियान आज देश के कोने–कोने में चल रहा है। अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने बदलते भारत की तस्वीर भी सबके सामने रखी। उन्होंने कहा कि बीते 10 साल में भारत में हर सप्ताह एक यूनिवर्सिटी बनी है। हर दिन दो नए कॉलेज बने और एक नई आईटीआई की स्थापना हुई है। इंफ्रास्ट्रक्टर की बात करें तो आज हमारे रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट सोलराइज हो रहे हैं। भारत में बहुत बड़ी संख्या में ग्रीन जॉब पैदा हो रहे हैं। 21वीं सदी का भारत एजुकेशन, स्कील, रिसर्च की ओर से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा कि हमने ग्रीन ट्रांजेशन का रास्ता चुना है। प्रकृति प्रेम के संस्कारों ने हमें गाइड किया है, इसलिए हम सोलर, ग्रीन हाइड्रोन, न्यूक्लियर एनर्जी पर इन्वेस्टमेंट कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि अब तक भारत में सेमी कंडक्टर यूनिट भी शुरू हो चुकी है। वो दिन दून नहीं जब आप मेड इंडिया चिप अमेरिका में भी देखेंगे। भारत में लोगों के फोन में ई–वॉलेट है। भारतीय अब अपने डॉक्यूमेंट्स फिजिकल फोल्डर में नहीं रखते हैं, उनके पास अब डिजिलॉकर है। भारत अब रुकने वाला नहीं, थमने वाला नहीं है। मोदी ने कहा कि हमने मेड इन इंडिया टेक्नोलॉजी पर काम किया। आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल मेन्युफैक्चरर है। हम अब मोबाइल एक्सपोर्टर बन गए हैं। भारत ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) का नया कॉन्सेप्ट दुनिया को दिया है।

सीएम आतिशी और केजरीवाल..

नेता राजीव बब्बर ने वर्ष 2020 में आप नेताओं के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही के खिलाफ अपील खारिज कर दी थी। बब्बर ने केजरीवाल और अन्य आप नेताओं पर भाजपा को बदनाम करने का आरोप लगाया था। उनका आरोप था कि दिल्ली की मतदाता सूची से कुल 30 लाख मतदाताओं के नाम हटाने के लिए भाजपा जिम्मेदार है, जिनमें मुख्य रूप से बनिया, मुस्लिम और अन्य समुदायों के लोग शामिल हैं। फरवरी 2020 में हाईकोर्ट ने केजरीवाल और अन्य आप नेताओं के खिलाफ मानहानि मामले में कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

मुठभेड़ में तीन नक्सली ...

शाम 4 बजे सर्चिंग के दौरान घात लगाए नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों के जवानों ने दो पुरुषों और एक महिला सहित कुल तीन नक्सलियों को ढेर कर दिया। मुठभेड़ स्थल की सर्चिंग के दौरान नक्सलियों के शवों के साथ एके 47 राइफल सहित कई अन्य हथियार, गोला बारूद एवं नक्सल सामग्री बरामद की गई है। मुठभेड़ में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं।

हिंदू आबादी में मदरसा ...

बंद रहे। सुबह करीब 11 बजे आक्रोश रैली निकली जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। रैली में महिलाओं की संख्या भी खासी रही। आसपास के गांवों के लोग भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। लोगों ने आरोप लगाया कि जहां हिंदू आबादी का क्षेत्र है वहां मदरसे के लिए जमीन आवंटित कर देना सीधे–सीधे तत्कालीन सरकार की मंशा पर सवाल खड़ा करता है। इतना ही नहीं, हिंदू समाज के बीच में मदरसा होने से समाज बेवजह आए दिन आशंकाओं से ग्रसित रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि गत सरकार ने एक तरह से क्षेत्र में असंतुलन पैदा करने जैसा कृत्य किया है। विरोध उभरने के बाद जिला कलेक्टर ने उपखण्ड अधिकारी से मामले में रिपोर्ट चाही थी। मावली के तत्कालीन उपखण्ड अधिकारी मनसुख राम डामोर ने यह सभी तथ्य अपनी रिपोर्ट में शामिल किए हैं। रिपोर्ट मावली तहसीलदार, मावली थानाधिकारी, मावली बीईईओ की संयुक्त जांच में यह तथ्य सामने आए हैं। इसी रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आवंटन से पहले ही यह भूमि विवादित थी जिसकी एक एफआईआर भी 2021 में दर्ज कराई गई थी। जिस जगह मदरसे के लिए बिलानाम जमीन आवंटित की गई वह जगह मावली के गायत्री नगर में स्थित है। और तो और जो जगह आवंटित की गई है उसके ठीक सामने हिंदू समाज का श्मशान भी है। आवंटित भूमि एक गड्ढे में है जहां पानी भरा रहता है, इसे दस्तावेजों में परत बताया गया है। जल भराव क्षेत्र होने से उक्त भूमि उच्चतम न्यायालय के जलढांचों के संबंध में अब्दुल रहमान प्रकरण से प्रभावित है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मदरसा इस्लामिया गौसिया अंजुमन मावली वर्तमान में जहां मावली में स्थित मस्जिद में संचालित है और वहां कुल ही 14 विद्यार्थी हैं। इनमें से महज 5 गायत्री नगर क्षेत्र के बताए जाते हैं। उपखण्ड अधिकारी ने इस रिपोर्ट के आधार पर आवंटन निरस्त किए जाने को उचित बताया है। मावली में सर्व समाज के जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन को देखते हुए जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल ने सोमवार को ही राजस्व विभाग के संयुक्त शासन सचिव को उपखण्ड अधिकारी की ओर से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर मदरसे को आवंटित जमीन निरस्त किए जाने की अनुशंसा कर दी है।

वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर : घी सप्लाई

कि एफएसएसएआइ के नियम के मुताबिक घी सिर्फ दूध से ही बना होना चाहिए और उसमें किसी भी तरह की चर्बी की मिलावट लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन है। तिरूपति लड्डू विवाद के सामने आने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से फोन पर बात की थी। बातचीत में नड्डा ने नायडू के घी के सैंपल की जांच रिपोर्ट केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को भेजने को कहा था और साथ ही एफएसएसएआइ से उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का आश्वासन भी दिया था।

पाकिस्तान में 12 देशों के...

को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा कि सभी राजदूत सुरक्षित इस्लामाबाद पहुंच गए हैं। मंत्रालय ने अपनी सुरक्षा बलों पर गर्व जताया, जो आतंकवादियों के खिलाफ खड़े रहते हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इस हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि आतंकवादी तत्व न केवल देश के दुश्मन हैं, बल्कि मानवता के दुश्मन भी हैं। बता दें कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। तहरीक–ए–तालिबान (टीटीपी) ने हाल ही में पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाकर हमले तेज कर दिए हैं। पिछले महीने स्वात के बनर पुलिस स्टेशन पर भी एक हमले में एक पुलिसकर्मी की जान गई थी। इस घटनाक्रम ने पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को लेकर सवाल उठाए हैं, खासकर जब विदेशी राजनयिकों की सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक हो रही है। यह पाकिस्तान के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नई चुनौती पेश करता है, जो उसके आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को कमजोर कर सकता है।

सूरत में ट्रेन को बेपटरी ...

अंजाम दिया। घटना की सर्वप्रथम जानकारी देने वाला यही कर्मचारी सुभाष पोद्दार ही था। पुलिस को शंका तब हुई, जब 71 पेडलॉक निकालने की घटना कुछ ही सीमित समय के अंदर की गई थी। सामान्य व्यक्ति के लिए इतने कम समय में 71 पेडलॉक निकालना मुमकिन नहीं था। दरअसल, 21 सितम्बर को तड़के सूरत के कीम–कोसंबा के बीच बड़ी रेल दुर्घटना की साजिश को नाकाम कर दिया गया था। इस घटना में कीम खाड़ी पर 21 सितम्बर को तड़के अप लाइन पर रेलवे ट्रैक की 71 पेडलॉक (इलास्टिक रेल क्लिप) और 2 जोगस फिश प्लेट निकाल दी गई थीं। घटना की जानकारी होते ही स्टेशन मास्टर ने तत्काल ही ट्रेन को कोसंबा रेलवे स्टेशन पर रोकने की हिदायत दी। पेट्रोलिंग करने वाले सुभाष पोद्दार ने सबसे पहले घटना के संबंध में जानकारी दी थी। बाद में उसने जांच टीम को भी रेलवे ट्रैक के पास तीन लोगों की चहल–पहल की बात कहकर गुमराह करने की कोशिश की थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय और स्थानीय सभी जांच एजेंसियों ने जांच शुरू की। गृह मंत्रालय की भी इस घटना पर नजर बनी हुई है। सूरत ग्रामीण पुलिस सूत्रों और रेलवे सूत्रों के अनुसार रेलवे की इस घटना को सबसे पहले देखने वाला रेलकर्मी सुभाष पोद्दार ही था। अपनी सतर्कता दिखाकर प्रमोशन लेने के लिए आरोपी ने रेलवे ट्रैक की फिश प्लेट ही खोल दी। घटना की जानकारी मिलने से पहले तीन ट्रेन इसी ट्रैक से गुजर चुकी थीं लेकिन लोको पायलट को किसी तरह की संदिग्ध वस्तु ट्रैक पर दिखाई नहीं दी। अन्य किसी के फुट प्रिंट भी घटनास्थल पर नहीं मिले थे। रेलवे की इस गंभीर घटना की जांच में नेशनल इन्वेस्टिगेशन टीम (एनआईए) भी जुड़ गई थी। एनआईए को सबसे पहले शंका सुभाष पोद्दार पर ही हुई थी। इसकी बड़ी वजह थी कि 71 पेडलॉक कोई सामान्य व्यक्ति इतने कम समय में नहीं खोल सकता था। इस वजह से एनआईए को शंका थी कि सुभाष उन्हें गलत जानकारी दे रहा है। जानकारी के अनुसार रेलवे की ओर से एक्सीडेंट एवर्टेड अवार्ड दिया जाता है। रेलवे की दुर्घटना को रोकने से सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि मिलने के साथ ही रेलवे की ओर से खूब वाहवाही और इनाम भी मिलता है। बताया जा रहा है कि इसी प्रलोभन में सुभाष पोद्दार ने इस घटना को अंजाम दिया। फिलहाल, एटीएस और एनआईए इस घटना की जांच कर रही हैं। सूरत एलसीबी और एसओजी ने जिले से तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया है। पुलिस अधीक्षक हितेश जोयसर के अनुसार 140 पुलिसकर्मियों की टीम बनाकर जांच की जा रही है। ड्रोन की भी मदद ली गई है। आरोपी तकनीकी जानकार है। आरोपी ने रेलवे के साधन तो ?ने के बजाय उन्हें निकाल दिया। रेलवे अधिकारी के अनुसार 71 पेडलॉक खोलने में लगभग दो घंटे का समय लगता है। इसलिए यह शंका है कि यह एक के बाद एक करके खोला गया होगा। इस दौरान कुछ ट्रेन इस ट्रैक से गुजरी होंगी। षडयंत्र की सबसे महत्वपूर्ण प्लेट सुबह 5.20 बजे खोली गई, जिसके बाद उसे पटरी पर रखा गया था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ...

प्रॉटोकॉल टूटने जैसी कोई घटना होने से इनकार किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने श्री भवानी निकेतन सैनिक स्कूल का उद्घाटन कर कहा कि केंद्र सरकार ने पूरे भारत में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। इसी क्रम में रक्षा मंत्रालय ने इन 100 स्कूलों में से 45 स्कूल राज्य सरकारों, गैर सरकारी संगठनों और निजी स्कूलों के सहयोग से खोलने को मंजूरी दी गई। इनमें से 40 स्कूलों में शैक्षणिक गतिविधियां शुरू हो गयी है और जयपुर का श्री भवानी निकेतन सैनिक स्कूल उनमें से एक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है, इस भूमि पर महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान, महाराज सूरजमल और सवाई जयसिंह जैसे शौर्य और पराक्रम के अनेक प्रतिनिधि जन्मे। अपनी मातृभूमि की रक्षा करना और उसकी रक्षा के लिए अपने प्राण तक न्योछावर कर देने का संकल्प इस भूमि के कण–कण में बसा हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये सैनिक स्कूल के विद्यार्थी देश प्रेम की ऐसी भावना से ओत–प्रोत होंगे। साथ ही उन्हें भारत की सैन्य सेवाओं में जाने के लिए उचित मार्गदर्शन मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब भी पीपीपी मॉडल की बात होती है तो पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप समझा जाता है लेकिन अब समय बदल रहा है। अब पीपीपी का मतलब प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप है। वर्तमान समय में अर्थव्यवस्था के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भूमिका सार्वजनिक क्षेत्र के मुकाबले कहीं ज्यादा है। देश की अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र की महती भूमिका है। इसमें कृषि, विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। रक्षा मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि निजी और सार्वजनिक क्षेत्र एक साथ आएंगे तो इन नए सैनिक स्कूलों के माध्यम से हमारी भावी पीढ़ियों को सर्वोत्तम शिक्षा देंगे। इससे पहले उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जयपुर को सैनिक स्कूल की सौगात देने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वो खुद एक सैनिक की बेटी हैं और इस पर उन्हें गर्व है। राजस्थान में बड़ी संख्या में सैनिकों के परिवार रहते हैं। यहां सैनिक स्कूल खुल जाने से ऐसे परिवारों को मदद मिलेगी। 2014 के बाद पीएम और रक्षा मंत्री ने साफ किया कि अब देश में रक्षा को लेकर मजबूत घेरा है। इसलिए चिंता की बात नहीं हैं। नए भारत में किसी का दखल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि त्योहारों पर पीएम जवानों का मनोबल बढ़ाते है। सेना के साथ सरकार खड़ी हैं। खुद रक्षा मंत्री भी इस बात का संदेश देते रहे हैं। 2021 में केंद्र ने 100 सैनिक स्कूल की स्वीकृति दी थी। अब स्कूल की पढ़ाई भी देश भक्ति की भावना के साथ होगी। सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा, संपूर्ण राजस्थान को एक और ऐतिहासिक सैनिक स्कूल की सौगात मिली है। यह हम सभी के लिए गर्व का पल है। यह स्कूल देशभक्त युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने और मातृभूमि की सेवा करने के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान करेगा। सैनिक स्कूल अकादमिक ज्ञान प्रदान करते हैं और युवाओं के समग्र विकास के लिए अनुशासन, देशभक्ति और साहस के मूल्यों को विकसित करते हैं। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सांसद मंजू शर्मा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और पूर्व सांसद रामचरण बोहरा भी मौजूद रहे।

जबतक मैं जिंदा हूं ना ...

हुए कहा कि झारखंड राज्य का मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाता है। इसके लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड को शर्मिंदा होना पड़ा। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्ष के बाद भी झारखंड पिछड़े राज्य की श्रेणी में शामिल है। खनीज संपदा से परिपूर्ण रहने के बावजूद आखिर यह राज्य क्यों पीछे रह गया, इसे समझने की जरूरत है। चिराग ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि युवा साथी अपनी ताकत को पहचाने। झारखंड में 35 वर्ष के लोगों की आबादी 65 प्रतिशत है। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि झारखंड युवा है और एकजुट होने की जरूरत है। अगर हम एक हो गए तो हमें आगे बढने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि आखिर क्या कारण है कि झारखंड के युवाओं को दूसरे राज्य में जॉब के लिए प्लायन करना पड़ता है। सत्ताधारी जाति धर्म के नाम पर हमें बांटने की राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को जवाब देने का वक्त आ गया है। उन्होंने युवाओं को बताया कि आज उनके हाथ में मोबाइल फोन है, जो उनके पिता और पार्टी के संस्थापक नेता जी स्व. रामविलास पासवान की देन है। शुरूआत में जब उनके पिता मोबाइल फोन लेकर आए तो लोग उनका मजाक उड़ाते थे और मोबाइल को अमीरों की जागीर बताते थे, लेकिन आज रिक्शे वाले से लेकर ठेला वाले के हाथ में मोबाइल है और लोग इसका बेहतर इस्तेमाल कर रहे हैं। इसी तरह उनके पिता के द्वारा शुरू की गयी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना से आज भी 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। मौके पर पांकी विधायक डॉ शशि भूषण मेहता ने कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र में कभी वैसे जनप्रतिनिधि का राज हुआ करता था जिन्होंने दलितों को जिंदा जलाया था। लेकिन अब समय बदल चुका है। दलित जाग चुके हैं। सामंती अत्याचारी को दफनाने का काम किया है। इनकी दबंगता को दूर करने वाले तमाम युवाओं को मैं सलाम करता हूं। उन्होंने कहा कि वीर बाबा चौहरमल के पद चिन्हों पर चलकर पांकी को विकास के रास्ते पर ले जाया जा सकता है। रामविलास पासवान जी के सपने को साकार करना है। उन्होंने रामविलास पासवान जी की एक पंक्ति *हम उस घर में दिया जलाने चले हैं जहां सदियों से अंधेरा था* का बखान किया और गूंजे धरती आसमान रामविलास पासवान के नारे लगाए।

इजरायल ने लेबनान ...

होने की खबर है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की। वहीं, इस हमले के बाद इजरायली सेना ने कहा कि उसने हिजबुल्ला आतंकवादी समूह के खिलाफ दबाव बढ़ाते हुए लेबनान में 300 ठिकानों पर हमला किया। सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हमलों का पहले ही एलान कर दिया था। सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी का बयान साझा करते हुए कहा था कि इजरायल अब लेबनान पर और हमले करने के लिए तैयार है। यह हिजबुल्ला के खिलाफ लड़ाई के लगभग एक साल में हवाई हमलों की सबसे बड़ी जंग में से एक है। हलेवी और अन्य इजरायली नेताओं ने आने वाले दिनों में हिजबुल्ला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा किया है। इजरायल ने सोमवार को दक्षिणी लेबनान के निवासियों से अपने घरों को छोड़कर जाने को कहा था। इजरायल का का दावा है कि हिजबुल्ला ने यहीं पर अपने हथियार जमा किए हुए हैं। इजराइल के सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि वह बेका में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। हिजबुल्ला ने लेबनान की बेका घाटी के घरों में अपने हथियारों का जखीरा छुपाय हुआ है। नागरिकों को तुरंत वहां से निकल जाना चाहिए। लेबनान के सूचना मंत्री जियाद मकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय को इमारत को खाली करने का आदेश देने वाला एक कॉल आया था, लेकिन उन्होंने कहा कि मंत्रालय ऐसा कुछ नहीं करेगा। लेबनान की सरकारी मीडिया ने बताया कि सोमवार को लेबनान के बंदरगाह शहर बाइब्लोस के पूर्व में एक पहाड़ी पर रॉकेट गिरा। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पहले कभी हवाई हमले नहीं हुए। यह क्षेत्र ईसाई और शिया गांवों के बीच में आता है।

तकनीक के माध्यम से ...

सत्र में भाग लिया। पूर्ण अधिवेशन का विषय था, *सतत एवं समावेशी विकास में विधायी निकायों की भूमिका*। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि भारत का संविधान समावेशी शासन की भावना का सबसे सशक्त उदाहरण है, जो विकास के पथ पर सबको साथ लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है और हमारा मार्गदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य शासन व्यवस्था को जन–जन की आशाओं एवं आकांक्षाओं के अनुरूप बनाने से ही उज्जवल होगा। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में भारत समावेशी सहभागिता एवं उत्तरदायी शासन व्यवस्था के माध्यम से एक आदर्श लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में उभर सकता है। इस बात पर जोर देते हुए कि सतत विकास और समावेशी शासन के लक्ष्य को प्राप्त करने में विधायी संस्थाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं कार्यपालिका की जवाबदेही एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करके शासन को अधिक जिम्मेदार एवं कुशल बनाती हैं। समावेशी विकास के मार्ग में आने वाली चुनौतियों एवं बाधाओं का समाधान करना जनप्रतिनिधियों एवं विधायी निकायों की जिम्मेदारी है। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत के समावेशी विकास के विजन में सुशासन, सामाजिक प्रगति, आर्थिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता सहित विकास के विभिन्न पहलू शामिल हैं, बिरला ने कहा कि भारत की संसद द्वारा पारित ऐतिहासिक कानूनों से भारत में विकास की गति तेज हुई है और इससे भारत की प्रगति और अधिक समावेशी हुई है, जिसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि विधायी संस्थाओं के सहयोग और समर्थन के बिना आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि विधायिका अपने कार्यों और कर्तव्यों का सुचारु रूप से निर्वहन करते हुए सतत और समावेशी विकास कर सकेगी, जिससे सभी को समान अवसर उपलब्ध होंगे, समाज के सभी वर्गों की अवसरों तक समान पहुंच होगी और समाज के सबसे कमजोर और वंचित वर्ग भी विकास की यात्रा में शामिल होंगे। उन्होंने पीठासीन अधिकारियों और विधायकों से आग्रह किया कि वे इस बात पर चिंतन करें कि पिछले 7 दशकों की यात्रा में देश के विधायी निकाय के रूप में वे लोगों की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने में कहां तक सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस आत्ममंथन के बिना समावेशी विकास का सपना साकार नहीं हो सकता। बिरला ने इस बात का उल्लेख किया कि पी–20 शिखर सम्मेलन के दौरान पीठासीन अधिकारियों ने राष्ट्रों के सुदृढ़, स्थिर, संतुलित और समावेशी विकास सुनिश्चित करने की आवश्यकता और इस प्रक्रिया में विधानमंडलों की भूमिका पर जोर दिया था। उन्होंने कहा कि ऐसी वैश्विक व्यवस्था तभी संभव है, जब इसके लिए अनुकूल आवश्यक नीतियां बनाई जाएं, जनप्रतिनिधियों द्वारा ऐसी नीतियों पर व्यापक चर्चा की जाए और सुशासन के माध्यम से उनका क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने कहा कि *सर्वे भवन्तु सुखिन:* और *वसुधैव कुटुम्बकम* के दर्शन के साथ भारत ने सदैव इस वैश्विक व्यवस्था का समर्थन किया है। यह आशा व्यक्त करते हुए कि इस सम्मेलन से पीठासीन अधिकारियों को एक नई दृष्टि और दिशा मिलेगी। उन्होंने पीठासीन अधिकारियों से सामूहिक रूप से काम करते हुए सतत विकास और समावेशी कल्याण के संकल्पों को सिद्धि तक ले जाने का आग्रह किया। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद भवन में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र की कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। कार्यकारी समिति में बिरला ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में जन भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि विधायी निकायों को जमीनी स्तर के निकायों, विशेष रूप से पंचायती राज संस्थाओं के साथ मिलकर काम करना चाहिए। ऐसा करके वे लोगों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने की अपनी जिम्मेदारियों का अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकेंगे।

भारत में मिला मंकीपॉक्स...

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले महीने एमपॉक्स को दूसरी बार सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। राष्ट्रीय राजधानी में एमपॉक्स का पहला मामला हरियाणा के हिसार का 26 वर्षीय निवासी था, जो इस महीने की शुरुआत में पिछले पश्चिमी अफ्रीकी क्लेड 2 स्ट्रेन के लिए सकारात्मक पाया गया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2022 में एमपॉक्स को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किए जाने के बाद से भारत में इसके 30 मामले सामने आए हैं।

सोनोवाल असम ओलंपिक...

ब्रत दास, प्रशांत प्रोतिम काठकोटिया, सुशांत विश्व सरमा, शिलादित्य देव, राजीव सरमा, सुबोध मल्ला बरुआ और मृगांका देव बर्मन उपाध्यक्ष पद के लिए चुने गए। एओए के एक अधिकारी ने बताया कि अशोक कुमार भराली नए कोषाध्यक्ष बने।

बिजली गिरने से स्कूली ...

अधीक्षक मोहित गर्ग ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बिजली गिरने से कुछ स्कूली बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा, एक व्यक्ति के घायल होने की खबर है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि इस घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक वह और राजनांदगांव के जिलाधिकारी भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं।

मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम मिशन योजना के 17 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

चिरांग (हिंस)। असम के बेरोजगार युवाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से *मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम मिशन* योजना के तहत 17 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का सोमवार को उद्घाटन किया गया। चिरांग जिलांतर्गत ढालीगांव स्थित बंगाईगांव शोधनागार के आमोद-प्रमोद केंद्र में जिला औद्योगिक और वाणिज्य केंद्र (डीआईसीसी) के सौजन्य से सोमवार से 8 अक्तूबर तक 17 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन राज्यसभा सांसद रंगौरा नार्ज़ारी, बिजनी के विधायक अजय कुमार रॉय, बीटीसी कार्यकारी सदस्य धनंजय बसुमतारी, पूर्व विधायक कमल सिंह नार्ज़ारी, जिला आयुक्त पी भास्कर रेड्डी और अन्य आमंत्रित अतिथियों ने किया। योजना के तहत जिला औद्योगिक एवं वाणिज्य केन्द्र में 400 लाभार्थियों ने अपना नाम दर्ज कराया है।

एचडी कुमारस्वामी ने एंड्रयू यूल समूह के स्वामित्व वाले चाय बागानों और श्रमिकों की दिक्कतों पर जताई चिंता

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पहुंचे केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने आज एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए असम में एंड्रयू यूल समूह के स्वामित्व वाले चाय बागानों की आर्थिक चुनौतियों और कठिनाइयों तथा चाय बागानों के मजदूरों पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने जल्द ही चाय बागानों का दौरा करने और इसे पुनर्जीवित करने के सर्वोत्तम तरीकों को खोजने की इच्छा व्यक्त की। होटल किरणश्री ग्रैंड के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में एचडी कुमार स्वामी के साथ असम सरकार के उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम आदि मंत्री बिमल बोरा भी मौजूद थे। एचडी कुमारस्वामी ने बिमल बोरा के प्रति आभार भी व्यक्त किया, क्योंकि उन्होंने चाय बागान मजदूरों और कर्मचारियों की पीड़ा को कम करने और प्रबंधन का समर्थन करने के लिए केंद्रीय मंत्री से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया था। मीडिया को जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों को 20 प्रतिशत बोनस भी मिलेगा। उन्होंने हाल ही में

बोकाजन में सीमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के दौरे और 700 करोड़ रुपए के निवेश से सीमेंट उद्योग को पुनर्जीवित करने की अपनी योजना के बारे में भी बात की। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों में सीमेंट निर्माण इकाई की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने असम में एफएएमई नीति के उपयोग पर भी अपनी संतुष्टि व्यक्त की। एफएएमई (इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से अपनाना और विनिर्माण) के वर्तमान विकास के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि बैटरी चार्जिंग स्टेशनों के लिए 2000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया जाएगा और देश में लगभग 70000 ऐसे स्टेशन बनाए जाएंगे। साथ ही कार्बन उत्सर्जन में कमी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए 18000 से अधिक ई-बसें खरीदी जा रही हैं। इस कार्यक्रम में असम सरकार के उद्योग, वाणिज्य और पीई विभाग के आईएएस सचिव डॉ. लक्ष्मणन एस भी मौजूद थे।

डायन के संदेह में बुजुर्ग महिला की हत्या

कोकराझाड़ (हिंस)। जिले के गोसाईगांव में डायन के संदेह में एक बुजुर्ग महिला की हत्या कर दी गई। घटना गोसाईगांव सब-डिवीजन के चिरूघुटु-बालीमारी गांव की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृत महिला की पहचान मतला मुर्मू की 53 वर्षीय पत्नी बागरे हेम्ब्रम के रूप में की गई। पीड़िता पर उसके रिश्ते के भतीजे द्वारा अपनी बुआ की हत्या करने का आरोप लगा है। आरोपी की पहचान उसी गांव के रहने वाले गणेश हेम्ब्रम के रूप में हुई। हत्यारा फिलहाल फरार है। महिला की हत्या से इलाके में सनसनी व्याप्त है।

बीटीसी स्वास्थ्य और स्वच्छता को प्राथमिकता देता है

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। सीईएम प्रमोद बोड़ो के गतिशील नेतृत्व में, बीटीसी एक स्वस्थ और प्रगतिशील बीटीआर के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीटीआर सरकार स्वास्थ्य और स्वच्छता क्षेत्रों में सुधार के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। हमारी पहल यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई है कि सभी नागरिकों के पास स्वस्थ जीवन जीने के लिए आवश्यक संसाधन हों, आज धूपगुड़ी बारीगांव और सिमलगुड़ी सार्वजनिक जल आपूर्ति प्रणालियों और भेलापारा पाइप्ड जल योजना का उद्घाटन करने के बाद बीटीसी ईएम (पीएचई आदि), डॉ. निलुट स्वर्गियारी ने कहा। ये परियोजनाएं जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत विकसित की गई थीं। डॉ. स्वर्गियारी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ जल के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं से तांगला के निवासियों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र में सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों में काफी सुधार होगा। उन्होंने सुरक्षित पेयजल तक पहुंच के साथ-साथ स्वच्छता प्रथाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उद्घाटन कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्ति और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार के उद्देश्य से इन महत्वपूर्ण पहलों के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया।

गीता जयंती को लेकर होजाई में सभा आयोजित

होजाई (विभास)। गीता जयंती का कार्यक्रम सही मायने में तब सफल होगा जब हम सभी गीता के अध्यायों को पढ़ेंगे व उसे अपने जीवन में अपनाएंगे उक्त बात होजाई के गीता आश्रम में गीता जयंती आयोजन समिति द्वारा आज आयोजित एक सभा के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के असम क्षेत्र प्रचारक वशिष्ठ बुजुरबरुवा ने कही। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर उक्त कार्यक्रम को सफल बनाना है जिसके लिए जिसे-जिसे जो पदभार दिया गया है वह अपने-अपने दायित्व का सही रूप से निर्वहन करें और ज्यादा से ज्यादा गीता का प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने आगे दिसंबर 11 व 12 को आयोजित होने वाले गीता जयंती के उपलक्ष पर भव्य कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ गीता के श्लोक के साथ हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में गीता जयंती आयोजन समिति के सचिव अर्जुन मजूमदार ने सभी विभाग प्रमुखों का परिचय करवाया व उद्देश्य की व्याख्या की। इस दौरान मंच पर आसीन थे होजाई जिला संघचालक सुबोध राय, गीता आश्रम न्यास के अध्यक्ष श्यामल रक्षित, गीता जयंती आयोजन समिति के अध्यक्ष आशीष भट्टाचार्य, गीता आश्रम न्यास के कोषाध्यक्ष अशोक केजरीवाल। उक्त सभा में भारी संख्या में पूरे जिले से कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने सहयोगात्मक विकास और सामुदायिक सहभागिता का आह्वान किया

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। हमारी मुख्य प्रतिबद्धता अपने क्षेत्र में व्यापक विकास को बढ़ावा देना है। इसे प्राप्त करने के लिए, हमें समावेशिता को प्राथमिकता देनी चाहिए और अपने समुदाय से सक्रिय रूप से भागीदारी को प्रोत्साहित करना चाहिए। यह आवश्यक है कि हम अपने नागरिकों के साथ जुड़ें, उनकी जरूरतों को सुनें और उन्हें सशक्त बनाएं। आइए हम मिलकर काम करें, विचारों को साझा करें और अपने बीटीआर के समृद्ध भविष्य के लिए एक मजबूत नींव बनाएं, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने आज कोकराझाड़ में बीटीसी सचिवालय में बीटीआर सरकार के विभिन्न विभागों और मिशनों के अध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान कहा। अपने संबोधन में, प्रमुख बोड़ो ने सरकारी योजनाओं

और मिशनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अध्यक्षों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि ये पहल केवल कागज पर नीतियां न हों बल्कि लोगों के लिए ठोस लाभ में तब्दील हों। उन्होंने कहा कि हमें अपनी सेवाओं की दक्षता बढ़ाने के लिए लगन से काम करना चाहिए। हमारे नागरिकों की आकांक्षाएं लगातार बढ़ रही हैं, इसलिए उनकी अपेक्षाओं को पूरा करना और उनसे बढ़कर करना हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और समुदाय के साथ सक्रिय जुड़ाव के लिए प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। बीटीसी प्रमुख बोड़ो ने विभिन्न विभागों के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, इस बात पर बल देते हुए कि केवल एकता और साझा दृष्टिकोण के माध्यम से ही वे क्षेत्र के सामने आने वाली विविध चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं। उन्होंने अध्यक्षों को अपनी टीमों के भीतर नवाचार और जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया, जो समुदाय की उभरती जरूरतों के अनुकूल हो। उन्होंने कहा कि एक साथ, हम एक प्रगतिशील बीटीआर बना सकते हैं जो हमारे लोगों की आशाओं और सपनों को दर्शाता है। बैठक के दौरान, बीटीसी प्रमुख बोड़ो ने कौशल विकास, सामुदायिक खुशी, खाद्य प्रसंस्करण, छात्र कल्याण, कलाकारों, कारीगरों और खेल हस्तियों की मान्यता, माइक्रोफाइनेंस, महिला सशक्तिकरण, पोषण, पारंपरिक हस्तशिल्प, खाद्य उत्पादन और विपणन, पारंपरिक त्योहार, पेंशन और सार्वजनिक शिकायतें, बुजुर्गों का कल्याण, वित्तीय समावेशन, युवा रोजगार और प्लेसमेंट पहल आदि सहित फोकस के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तार से बताया।

भीषण गर्मी के चलते सभी सरकारी-निजी स्कूल आज से 27 तक रहेंगे बंद

गुवाहाटी (हिंस)। गर्मी के कारण तमाम विद्यार्थियों की तबियत खराब हो रही है। हाल ही में गर्मी के मद्देनजर स्कूलों की समय सारणी में बदलाव किया गया था लेकिन अब प्रशासन ने सभी स्कूल 24 से 27 सितंबर तक बंद रखने का निर्णय लिया है। अभिभावकों के आह्वान के बाद कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन ने स्कूल बंद करने की घोषणा कर दी है। जिला आयुक्त की सहमति से सर्व शिक्षा अभियान मिशन को स्कूल बंद घोषित कर दिया है। गुवाहाटी में 24 सितंबर से 27 सितंबर तक सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद रहेंगे। दूसरी ओर आज देर शाम को हुई कुछ देर की बरसात से ऐसा लगा कि अब राहत मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं प्रतीत हो रहा है। बरसात के बाद एक बार भारी उमस के चलते गर्मी का प्रकोप और तेज हो गया है। एक प्रकार से बरसात ने गर्मी में और इजाफा कर दिया है।

एनआरएस परिवार ने आजीवन खुश रहने का मंत्र नामक कार्यक्रम आयोजित किया

गुवाहाटी (विभास)। नारायण रेकी सत्संग परिवार (एनआरएस) गुवाहाटी के सौजन्य से माछखोवा स्थित आईटीए सेंटर में जीवन को नई दिशा देने वाला सत्र आजीवन खुश रहने का मंत्र कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें नारी रत्न राजेश्वरी मोदी (राज दीदी) ने जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों के बारे में बताया। राज दीदी ने खचाखच भरे सभागार में बताया कि सकारात्मक और नकारात्मक दो तरह की ऊर्जा होती है। जिसमें सकारात्मक ऊर्जा से सुख, शांति, सेहत, समृद्धि, खुशी, आनंद, उत्साह, प्यार, आदर, सम्मान, प्रशंसा, उन्नति, प्रगति, सफलता आदि प्राप्त होती है। इससे आदतों, आत्मविश्वास, फुर्ती, तन मन धन आदि कार्य आसान हो जाते हैं। जबकि नकारात्मक ऊर्जा से दुख, दरिद्रता, शांति, रोग, शोक, पतन, कष्ट, पीड़ा, तकलीफ, परेशानियां, डर, घबराहट, बेचैनी होते हुए कार्य का रुकना, आदतों का बिगड़ जाना और तन मन धन का नकारात्मक हो जाना आदि प्रभाव पड़ता है। राज दीदी ने आगे शास्त्र और नारायण शास्त्र के बारे में बोलते हुए बताया कि नारायण शास्त्र क्या है? संपूर्ण वेद शास्त्र का निचोड़ ही नारायण

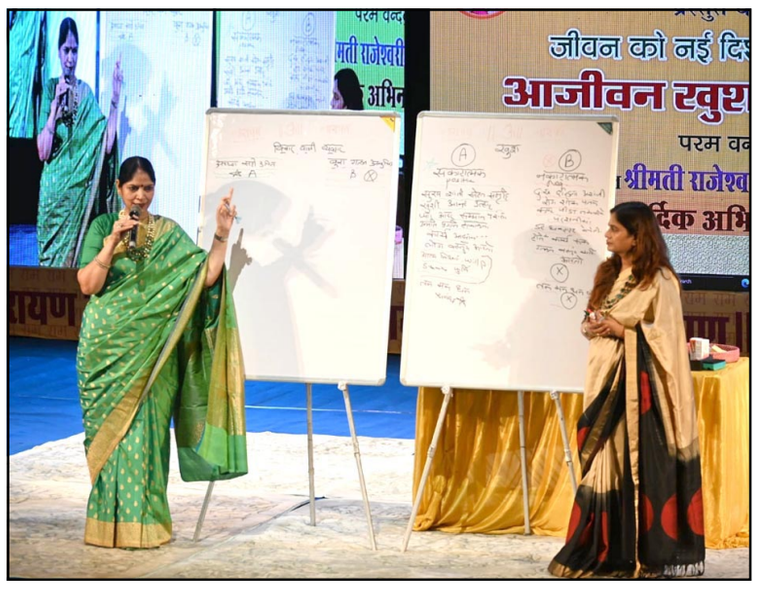

शास्त्र है। नारायण शास्त्र एकलौता है पर सबसे ताकतवर शास्त्र है। जिस तरह बुफे सिस्टम में कई तरह की खाने की चीज परोस दी जाती है। उसमें से कुछ लोग सेहत को ध्यान में रखकर तथा कुछ स्वाद को ध्यान में रखकर भोजन लेते हैं। ठीक इसी तरह है शास्त्र भी अनेक है। लोग अपनी भक्ति भाव के अनुसार शास्त्रों का चयन करते हैं तथा नारायण शास्त्र का भी चिंतन मनन करते हैं। इससे पहले राज दीदी का माछखोवा आईटीए सेंटर में प्रवेश करते ही उनकी अगवानी में असमिया बिहू नृत्य ढोल और पेपा बजाकर उनका स्वागत करते हुए सभागार तक लाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत से हुआ। नारायण रेकी सत्संग परिवार की महिला सदस्योंओ ने स्वागत गीत नृत्य करके राजू दीदी का स्वागत किया। राजू दीदी ने दीप प्रज्ज्वलित कर के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नारायण रेकी सत्संग परिवार गुवाहाटी की प्रमुख सरला लाहोटी, मुंबई से पधारी शशि गोयल तथा संतोष सिंघानिया, वंदना बिहानी, आभा लढढा, नीतू अग्रवाल, बबीता मारदा के अलावा अन्य सदस्याएं मंच पर उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन रमेश चांडक ने आध्यात्मिक तरीके से किया। इस अवसर पर राज दीदी ने अपनी आत्म शक्ति के द्वारा पानी और 56 रुपए को क्रियाशील और सक्रिय करवा कर श्रोताओं को आशीर्वाद दिया।

तेयुप, गुवाहाटी का नेत्रदान जागरूकता अभियान

गुवाहाटी। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (अभातेयुप) के गौरवशाली 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में नेत्रदान जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत 15 से 30 सितंबर तक *विजन फॉर विजनलेस* शीर्षक के जरिए नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में तेरापंथ युवक परिषद गुवाहाटी द्वारा गत 22 सितंबर को प्रात: 6 बजे दिघलीपुखरी इलाके में नेत्रदान जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान काफी संख्या में नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाए गए। उल्लेखनीय है कि मानवता को समर्पित एक आयाम जो दृष्टिहीन के अंधकारमय जीवन में उजाले की एक किरण बन सकता है। अंधकारमय लोगों के जीवन को रोशन करने के लिए अभातेयुप द्वारा मानव सेवा के क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों के साथ ही नेत्रदान का एक विशेष आयाम संचालित है। एक व्यक्ति के नेत्रदान से चार जीवित नेत्रहीनों को रोशनी मिल सकती है। अभातेयुप परिवारजनों की सहमति या व्यक्ति के संकल्प पत्र की स्वीकृति के आधार पर मरणोपरांत व्यक्ति का नेत्रदान करवाती है। मृत्यु के छह घंटे पश्चात तक नेत्रदान करवाया जा सकता है। आई-बैंक की टीम 24 घंटे में किसी भी समय संपर्क करने से आ सकती है। नेत्रदान की कोई उम्र सीमा नहीं होती। आई-बैंक की टीम मृतक के शव तक पहुंचकर सरल शल्य प्रक्रिया

द्वारा नेत्रदान का कार्य संपन्न करती है। इसमें कोई कठिनाई नहीं होती है। मोतियाबिंद के ऑपरेशन करवा चुके व्यक्ति का भी नेत्रदान किया जा सकता है इस रैली में अभातेयुप सदस्य सुमनेश कोठारी, तेयुप के निवर्तमान अध्यक्ष जयंत सुराणा, अध्यक्ष सतीश कुमार भादानी, मंत्री पंकज सेठिया सहित सभी पदाधिकारीगण, संयोजक विनीत चिंडालिया, काफी संख्या में कार्यकारिणी सदस्य एवं साधारण सदस्य उपस्थित थे। इस आशय की जानकारी संगठन मंत्री अंकुश महनोत ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

जोरहाट के कलमकार नामक साहित्यिक संस्था की स्थापना

जोरहाट / विश्वनाथ (विभास)। असम राज्य के जोरहाट जिले में हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार तथा साहित्यिक गतिविधियों में एक नए आयाम जोड़ते हुए साहित्यकार ममता गिनोड़िया के नेतृत्व में नवागंतुक कलमकारों के लिए *जोरहाट के कलमकार* की नामक साहित्यिक संस्था का बुधवार (18 सितंबर) को स्थापना की गई। जानकारी के अनुसार संस्थापक अध्यक्ष ममता गिनोड़िया के नेतृत्व में यह एक ऐसा साहित्यिक मंच तैयार किया है जो जोरहाट के नवांकुर रचनाकार को अपनी स्वरचित रचना पढ़ने के लिए एक सशक्त मंच की बहुत आवश्यकता होती है जो अपने मन की बात मंच को दे सके। इन सभी रचनाकारो को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस मंच को बनाया गया। इस मंच में रुनू बरुवा को प्रभारी, जयश्री शर्मा को अध्यक्ष, सरिता सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया और संरक्षक के लिए जिमी मोदी को ममता गिनोड़िया ने पद चुनाव किया। एम डीज होटल में इस मंच की स्थापना हुई इस मंच के उद्देश्य की जानकारी गिनोड़िया ने दी जिसकी उपस्थित महानुभावों ने सराहना की तथा कहा भविष्य में सबके लिए यह कारगर सिद्ध होगी। इस कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से की गई जो कि प्रसिद्ध गायिका वंदना मिश्रा ने मधुर आवाज में गाकर सम्मोहित किया। संस्थापिका ममता गिनोड़िया ने अध्यक्ष जयश्री शर्मा कार्यक्रम की शुरुआत करने के लिए कहा और उन्हीं के अनुसार सब ने अपने अपने विचार भी रखें काव्य पाठ करने वालो में जयश्री शर्मा, ज्योति अग्रवाल, शमा जैन सिंघल, सरिता सिंह, कांति करनानी, सुशीला मालू, सुनिता धीर, ममता गिनोड़िया, सुमन भड़ेच, किरण सोमानी सविता ढंढारिया, प्रतिमा भडेच, विमला शर्मा, सुभद्रा शर्मा, वंदना मिश्रा ने बहुत ही शानदार काव्य-पाठ किया। संस्थापिका ममता गिनोड़िया ने कहा यह मंच नि:शुल्क मंच हैं इस के लिए कोषाध्यक्ष पद की आवश्यकता नहीं है। इस मंच से जुड़ने के लिए नवागंतुक नवलेखक संस्थापक अध्यक्षा के मोबाइल नंबर 9435610538 से संपर्क करे।

असम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने बी टेक प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए दो सप्ताह का सफल प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया

गुवाहाटी। असम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एएसटीयू), गुवाहाटी ने असम सरकार और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), नई दिल्ली से आधिकारिक मंजूरी मिलने के बाद, 2024-25 शैक्षणिक सत्र से कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में अपने इन-कैंपस बी.टेक कार्यक्रम की शुरुआत की घोषणा की है। प्रथम सेमेस्टर के छात्रों का स्वागत करने के लिए, एएसटीयू ने हाल ही में 2 से 19 सितंबर, 2024 तक एक प्रेरण कार्यक्रम पूरा किया। एआईसीटीई द्वारा अनिवार्य इस पहल को नए छात्रों को उनकी इंजीनियरिंग यात्रा शुरू करने से पहले आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन एएसटीयू के माननीय कुलपति प्रो. नरेंद्र चौधरी और विशेष अतिथि विधायक हेमंगा ठाकुरिया ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में प्रो. चौधरी ने तकनीकी शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की शुरुआत पर जोर दिया, जिसमें इंजीनियरिंग के भविष्य के लिए इसकी परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा दिए गए ज्ञानवर्धक व्याख्यानों की एक श्रृंखला में भाग लिया। प्रमुख विषयों में शामिल थे: *छात्र मनोविज्ञान और रैंगिंग, इंजीनियरिंग शिक्षा में कानून का महत्व, नैतिक बुद्धिमत्ता और भारतीय ज्ञान प्रणाली, व्यक्तिगत प्रबंधन का 8+8+8 नियम, गैर-वित्तीय अधिकारियों के लिए वित्त अनिवार्यताएं, संचार रणनीति और तकनीकी रिपोर्ट लेखन, सार्वभौमिक मानवीय मूल्य, भारतीय संविधान के आलोक में इंजीनियरिंग शिक्षा की संभावनाएं, छात्रों के जीवन में संगीत वाद्ययंत्रों की भूमिका, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस),* सम्मानित वक्ताओं में असम इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रो. प्लाबन काकोती शामिल थे; प्रो. दिप्तिमोनी बरुवा, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और न्यायिक अकादमी, असम, प्रो. मुकुलेश बरुवा, सदस्य सचिव, एसएलईटी आयोग, असम, पूर्वोत्तर क्षेत्र, प्रो. जयंत पाठक, असम इंजीनियरिंग कॉलेज; प्रो. संतोष कुमार महापात्रा, गुवाहाटी विश्वविद्यालय; प्रो. एनएन पटवारी, पूर्व प्राचार्य, असम इंजीनियरिंग कॉलेज, प्रो. बिभाष चौधरी, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, प्रो. आरसी बोरपात्रगोहाई, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, अधिवक्ता शांतनु बरठाकुर, गुवाहाटी उच्च न्यायालय; प्रशांत कुमार चौधरी, असम इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ. इंद्रनील चंदा, उप परीक्षा नियंत्रक और पूर्व कार्यक्रम समन्वयक, एनएसएस, एएसटीयू और कई अन्य जिन्होंने अपनी अंतर्दृष्टि से सीखने के अनुभव को समृद्ध किया। शैक्षणिक सत्रों के अलावा, इंडक्शन प्रोग्राम में छात्रों के बीच रचनात्मकता और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन की गई विभिन्न प्रकार की आकर्षक गतिविधियां शामिल थीं। मुख्य आकर्षणों में वैज्ञानिक पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता, योग और ध्यान सत्र, खेल गतिविधियां, कला और शिल्प प्रतियोगिता, *विकसित भारत एट द रैट 2047* पर चर्चा, जातीय पोशाक प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता शामिल थी। कार्यक्रम का समापन 19 सितंबर को प्रमाण पत्र वितरण समारोह और नए प्रवेशित छात्रों द्वारा प्रस्तुत एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया गया। डॉ. पिंकी शर्मा ने विश्वविद्यालय के संकाय डॉ. मृदुस्मिता बरुवा, सुश्री संजुक्ता शर्मा, सुश्री पूजा सरकार, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों के समर्पित समर्थन के साथ प्रेरण कार्यक्रम का समन्वय किया, जिससे सभी प्रतिभागियों के लिए एक व्यापक और समृद्ध अनुभव सुनिश्चित हुआ। एएसटीयू उन सभी पेशेवरों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है जो न केवल तकनीकी रूप से कुशल हैं बल्कि सांस्कृतिक रूप से जागरूक और सामाजिक रूप से जिम्मेदार भी हैं। इंडक्शन प्रोग्राम ने आने वाले शैक्षणिक वर्ष के लिए एक सकारात्मक माहौल तैयार किया है, जिससे छात्रों के नए समूह में समुदाय और अपनेपन की भावना को बढ़ावा मिला है।

संपादकीय

क्वाड का शिखर सम्मेलन

क्वॉड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्वाड) भारत, जापान, अमरीका और ऑस्ट्रेलिया का एक साझा मंच और समूह है। इस बार अमरीका में क्वाड देशों के नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। यह सम्मेलन भारत में किया जाना था, लेकिन अमरीकी राष्ट्रपति बाइडेन के आग्रह पर अमरीका में ही किया गया। यह शिखर सम्मेलन राष्ट्रपति बाइडेन का 'विदाई सम्मेलन' है, क्योंकि नवम्बर के बाद अमरीका में नया राष्ट्रपति होगा। साल 2025 में यह शिखर सम्मेलन भारत में होगा। क्वाड का बुनियादी मकसद 'चीन की दादागीरी' पर अंकुश लगाना ही नहीं है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र और खुला माहौल, समुद्री सुरक्षा, शांति और स्थिरता के साथ व्यापारिक आवाजाही को सुनिश्चित करना भी है। भारत को अमरीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास का भी अवसर मिलता रहेगा, यह सामरिक और क्षेत्रीय संतुलन के लिए बेहद जरूरी है। क्वाड को 'शिखर सम्मेलन' के स्तर तक पहुंचाने का श्रेय राष्ट्रपति बाइडेन को जाता है। इससे पहले चारों देशों के विदेश मंत्री और राजनयिक आदि ही मिला करते थे, लिहाजा शीर्ष स्तर के फैसले नहीं हो पाते थे। अब भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री और अमरीका के राष्ट्रपति क्वाड के शिखर सम्मेलन का हिस्सा हैं। चारों देश ही लोकतांत्रिक हैं। मौजूदा बैठक चीन तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि क्वाड शिखर सम्मेलन में शीर्ष नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल बनाम गाजा-हमास टकराव, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के साथ-साथ जलवायु, स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी आदि पर भी विमर्श किया गया। क्वाड के साझा घोषणा-पत्र को अमरीका के समयानुसार सार्वजनिक किया जाना है। बहरहाल क्वाड की स्थापना 2007 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने की थी, लेकिन आज चार ताकतवर देश इसके सदस्य हैं। दिसंबर, 2004 में जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका ने एक ग्रुप बनाया। इसका पहला शिखर सम्मेलन मार्च, 2021 में 'ऑनलाइन' आयोजित किया गया। तब भी कोरोना महामारी का प्रभाव शेष था। दूसरा शिखर सम्मेलन 24 सितंबर, 2021 को वाशिंगटन डीसी में आयोजित किया गया था। उस दौर में बुनियादी ढांचे, अंतरिक्ष और साइबर सरीखे मुद्दों पर तीन कार्य-समूहों की घोषणा की गई थी। तीसरा सम्मेलन 24 मई, 2022 को टोक्यो, जापान और चौथा शिखर सम्मेलन जापान में ही हिरोशिमा में मई, 2023 को आयोजित किया गया। अब अमरीका में 5वां सम्मेलन हुआ है। दरअसल भारत के संदर्भ में क्वाड एक बहुमूल्य मंच है। इसके जरिए भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री चुनौतियों का जवाब देने में सक्षम हो रहा है। भारत चीन का मुकाबला करने के लिए अन्य देशों की सहायता ले सकता है। अमरीका इस क्षेत्र में अपने समुद्री बेड़े भेजकर चीन को सावधान करता रहा है। दरअसल चीन इस क्षेत्र में अपना एकाधिकार मानता रहा है, जिसे भारत की समुद्री ताकत ने बराबर का जवाब दिया है। भारत को व्यापारिक लाभ भी हुआ है, क्योंकि यह सम्मेलन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक प्रगति के लिए सदस्य देशों के बीच सहयोग और शांतिपूर्ण तरीके से काम करने की प्रतिबद्धता को जाहिर करता है। शिखर सम्मेलन में भाग लेने और अन्य कार्यक्रमों के लिए प्रधानमंत्री मोदी अमरीकी प्रवास पर हैं। उन्होंने राष्ट्रपति बाइडेन के अलावा जापान और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्रियों के साथ भी द्विपक्षीय बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को भी संबोधित करेंगे। जैसा कि हर प्रवास के दौरान होता है, इस बार भी प्रधानमंत्री मोदी प्रवासी भारतीयों को संबोधित कर खुलासा करेंगे कि आज का भारत क्या है? भारत क्वाड का विस्तार भी चाहता है, लेकिन इस बार एजेंडा इतना व्यापक था कि इस मुद्दे पर संवाद नहीं हो सका। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने खुलासा किया है कि सभी ज्ञात मुद्दों के अलावा, उभरती प्रौद्योगिकियों, बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और आतंकवाद रोधी क्षेत्रों पर भी विमर्श किया गया है।

> साल 2025 में यह शिखर सम्मेलन भारत में होगा। क्वाड का बुनियादी मकसद 'चीन की दादागीरी' पर अंकुश लगाना ही नहीं है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र और खुला माहौल, समुद्री सुरक्षा, शांति और स्थिरता के साथ व्यापारिक आवाजाही को सुनिश्चित करना भी है। भारत को अमरीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास का भी अवसर मिलता रहेगा, यह सामरिक और क्षेत्रीय संतुलन के लिए बेहद जरूरी है। क्वाड को 'शिखर सम्मेलन' के स्तर तक पहुंचाने का श्रेय राष्ट्रपति बाइडेन को जाता है। इससे पहले चारों देशों के विदेश मंत्री और राजनयिक आदि ही मिला करते थे, लिहाजा शीर्ष स्तर के फैसले नहीं हो पाते थे। अब भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री और अमरीका के राष्ट्रपति क्वाड के शिखर सम्मेलन का हिस्सा हैं। चारों देश ही लोकतांत्रिक हैं।

योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा

सभी के लिए जरूरी सामाजिक सुरक्षा

डा. जयंतीलाल भंडारी

> देश के ऐसे करोड़ों लोग जो अपनी बचत से अपनी सामाजिक सुरक्षा का प्रबंध करते हैं, वे बैंकों की फिक्सड डिपाजिट तथा पोस्ट ऑफिस और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़ी विभिन्न बचत योजनाओं पर मिलने वाली कम ब्याज दरों से चिंतित हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 11 सितंबर को 70 साल या उससे अधिक उम्र के सभी वर्गों के लोगों को आयुष्मान भारत स्कीम में शामिल करने का फैसला किया है।

यद्यपि इस समय सरकार विभिन्न माध्यमों से सामाजिक सुरक्षा का दायरा विस्तारित करने की डगर पर लगातार आगे बढ़ रही है, लेकिन अभी भी देश के अधिकांश लोग सामाजिक सुरक्षा की उपयुक्त छतरी से दूर हैं। देश के ऐसे करोड़ों लोग जो अपनी बचत से अपनी सामाजिक सुरक्षा का प्रबंध करते हैं, वे बैंकों की फिक्सड डिपाजिट तथा पोस्ट ऑफिस और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़ी विभिन्न बचत योजनाओं पर मिलने वाली कम ब्याज दरों से चिंतित हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 11 सितंबर को 70 साल या उससे अधिक उम्र के सभी वर्गों के लोगों को आयुष्मान भारत स्कीम में शामिल करने का फैसला किया है। इस योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। इससे 4.5 करोड़ परिवारों को फायदा होने की उम्मीद है। इन परिवारों में 6 करोड़ बुजुर्ग हैं। इसी तरह केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को मंजूरी दी है। पिछले दिनों जीएसटी परिषद ने भी विभिन्न स्वास्थ्य और जीवन बीमा उत्पादों के प्रीमियम पर जीएसटी दर का सुझाव देने और 30 अक्टूबर तक अपनी रिपोर्ट देने के लिए 13 सदस्यीय मंत्रिसमूह (जीओएम) का गठन किया है। निश्चित रूप से अभी देश का आम आदमी सामाजिक सुरक्षा की उपयुक्त छतरी से दूर है। देश के करीब 57 करोड़ के श्रमबल में से तीन फीसदी से भी कम सरकारी क्षेत्र के कर्मचारी यूपीएस से लाभान्वित हुए हैं। लेकिन करोड़ों श्रमिकों और कर्मचारियों से संबंधित संगठित निजी क्षेत्र और असंगठित क्षेत्र के श्रम बल के सामने वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा चिंता का विषय बनी हुई है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत में वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के मद्देनजर कुछ व्यवस्थाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। यद्यपि सरकारी कर्मचारियों के अलावा संगठित निजी क्षेत्र व असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए भी पेंशन की कुछ व्यवस्थाएं हैं, लेकिन वे वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा के मद्देनजर अपर्याप्त और असंतोषप्रद हैं। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मात्र 436 रुपए सालाना प्रीमियम पर 2 लाख रुपए का बीमा कवर प्रदान किया जाता है। यह योजना 18 से 55 वर्ष की आयु के लोगों के लिए उपलब्ध है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 18 से 70 वर्ष के लोग 20 रुपए सालाना प्रीमियम पर 2 लाख तक का दुर्घटना बीमा कवर प्राप्त कर सकते हैं। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर केंद्रित

एक पेंशन योजना है। एपीवाई के तहत 60 साल की उम्र में 1000 रुपए से लेकर 5000 रुपए प्रति माह की न्यूनतम पेंशन की गारंटी ग्राहकों द्वारा योगदान के आधार पर दी जाती है। देश का कोई भी श्रमिक जिसकी उम्र 18 से 40 साल के बीच हो, एपीवाई योजना में शामिल हो सकता है। इसी तरह व्यापारियों, दुकानदारों और स्वरोजगार करने वाले व्यक्तियों सहित असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए सरकार ने दो प्रमुख पेंशन योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं में से एक प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना (पीएम-एसवाईएम) है और दूसरी व्यापारियों, दुकानदारों और स्वरोजगार करने वाले व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस-ट्रेडर्स) है। इन योजनाओं के तहत लाभार्थी 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद न्यूनतम 3000 रुपए की मासिक सुनिश्चित पेंशन प्राप्त करने के हकदार हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि 18-40 वर्ष की आयु के वे श्रमिक जिनकी मासिक आय 15000 रुपए से कम है, वे पीएम-एसवाईएम योजना में शामिल हो सकते हैं और व्यापारी, दुकानदार और स्वरोजगार करने वाले व्यक्ति जिनका वार्षिक कारोबार 1.5 करोड़ रुपए से अधिक नहीं है, वे एनपीएस-ट्रेडर्स योजना में शामिल हो सकते हैं। वस्तुतः ये स्वैच्छिक और अंशदायी पेंशन योजनाएं हैं और लाभार्थी की प्रवेश आयु के आधार पर मासिक अंशदान 55 रुपए से 200 रुपए तक है। दोनों योजनाओं के तहत लाभार्थी द्वारा 50 फीसदी मासिक अंशदान देय है और केंद्र सरकार द्वारा समान मिलान अंशदान का भुगतान किया जाता है। ज्ञातव्य है कि देश में संगठित क्षेत्र में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा संगठन है। वस्तुतः भविष्य निधि के लिए कर्मचारी का जो अशंदान कटता है, उसका एक हिस्सा पेंशन फंड के लिए कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएफ) में जाता है। पेंशन के लिए शर्त यह है कि कर्मचारी को कम से कम 10 साल तक नौकरी पूरी करनी होती है और पीएफ अकाउंट में अंशदान करना होता है। मौजूदा नियमों के अनुसार पेंशन योग्य वेतन की अधिकतम सीमा 15 हजार रुपए है। यदि हम ईपीएफ के तहत पेंशन संबंधी राशि की ओर देखें तो पाते हैं कि स्टैंडर्ड गणना के तहत ईपीएफ सदस्य को न्यूनतम 1000 रुपए प्रतिमाह पेंशन मिल पाती है। इसे 7500 रुपए प्रति माह करने की मांग लम्बे समय से हो रही है। असंगठित क्षेत्र के श्रम बल द्वारा सरकार के समक्ष उपयुक्त पेंशन की मांग प्रस्तुत की जा रही है। इसमें कोई दो मत नहीं कि इस समय गिग वर्क सहित नई निर्मित नौकरियों में से ज्यादातर नौकरियां असंगठित क्षेत्र में निर्मित हो रही हैं और इनमें पेंशन संबंधी सुरक्षा नहीं है। नीति आयोग ने 'इंडियाज बूमिंग गिग एंड प्लेटफॉर्म इकोनॉमी' शीर्षक से एक रिपोर्ट लॉन्च की है। उसमें अन्य बातों के साथ ही गिग वर्कर्स और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों का विस्तार करने की सिफारिश की गई है, जिसमें बीमा और पेंशन जैसी योजनाएं शामिल हैं। एक चिंताजनक प्रश्न यह भी है कि जहां असंगठित क्षेत्र के करोड़ों लोग पेंशन व्यवस्था से दूर हैं, वहीं बचत पर घटी हुई ब्याज दर और विभिन्न आकर्षण कम होने के कारण देश में सामाजिक सुरक्षा की चिंताएं बढ़ रही हैं। अभी भी देश में बड़ी संख्या में लोगों को सामाजिक सुरक्षा (सोशल प्रोटेक्शन) की छतरी उपलब्ध नहीं है। इतना ही नहीं, बचत योजनाओं पर मिलने वाली ब्याज दरों पर देश के उन तमाम छोटे निवेशकों का दूरगामी आर्थिक प्रबंधन निर्भर होता है, जो अपनी छोटी बचतों के जरिए जिंदगी के कई महत्वपूर्ण कामों को निपटाने की व्यवस्था सोचे हुए हैं। ऐसे में उपयुक्त सामाजिक सुरक्षा की अहमियत दिखाई देती है। अतएव अब सरकार को देश के आम आदमी के लिए सामाजिक सुरक्षा के बारे में गंभीरतापूर्वक ध्यान देना होगा और निजी क्षेत्र की पेंशन योजनाओं को भी आकर्षक बनाना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में निजी क्षेत्र के कर्मचारियों की न्यूनतम पेंशन बढ़ाने के लिए लम्बे समय से लंबित मांग पर विचार किया जाना होगा, जिसमें निजी संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए भी सरकार ऐसी पेंशन स्कीम लाए जो प्रतिमाह 7500 रुपए तक या उपयुक्त पेंशन धनराशि सुनिश्चित कर सके। जहां कर्मचारी भविष्य निधि के तहत पेंशन योग्य वेतन की 15000 रुपए की सीमा को बढ़ाकर 25000 रुपए किया जाना उपयुक्त होगा, वहीं अटल पेंशन योजना को आकर्षक बनाया जाना लाभप्रद होगा।

दृष्टि कोण

मानवता के तकाजे कब तक निभाएगा भारत

प्राचीन काल से भारत अमन व इत्तेहाद का पक्षधर रहा है। इनसानियत की पैरवी करने वाली तहजीब, शांति, सद्भाव तथा शिष्टाचार भारतीय संस्कृति के मूल लक्षण हैं। 'जियो और जीने दो' अर्थात 'जीवन जीना अधिकार तथा समस्त प्राणियों को जीने देना कत्र्तव्य'। मान्यता है कि यह सिद्धांत जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर 'महावीर स्वामी' के उपदेशों का हिस्सा है, जो कि जंगी जुनून में मदहोश होकर विश्व को तीसरी आलमी जंग के मुहाने पर ले जा रहे देशों तथा दहशतगर्दी की हिमायत करने वाले मुल्कों के लिए एक प्रकाशमान दर्शन है। मौजूदा दौर में मजहबी कट्टरवाद तथा आतंकवाद जैसे संवेदनशील मुद्दे वैश्विक स्तर पर एक बड़ा खतरा बन चुके हैं। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जब युद्ध, मजहबी उत्पीडऩ व आतंकवाद जैसी भीषण आपदाओं के कारण अपना मुल्क छोडऩे वाले बेगुनाह लोगों के लिए भारत ने हमेशा मसीहा की भूमिका निभाई है। यहां तक कि हिंदोस्तान से गद्दारी करने वाले लोगों के प्रति भी भारत का नजरिया नैतिकता का ही रहा है। पश्चिम बंगाल से ताल्लुक रखने वाले 'जोगिंद्रनाथ मंडल' अविभाजित हिंदोस्तान के दौर में मुस्लिम लीग के सदस्य थे। उन मोहतरम ने भारत के विभाजन में अपना शिद्दत भरा किरदार अदा किया था। बटवारे के दौर में जोगिंद्रनाथ मंडल ने जातिवाद की पुरजोर पैरवी करके असम राज्य के सिलहट क्षेत्र को पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। नतीजतन सिलहट अब बांग्लादेश में मौजूद है। विभाजन के बाद जोगिंद्रनाथ मंडल दलित व पिछड़े वर्ग का रहनुमां बनकर पाकिस्तान चले गए थे। पाकिस्तान के गर्वनर जनरल मोहम्मद अली जिन्ना ने जोगिंद्रनाथ मंडल को पाक हुकूमत की काबीना में 'कानून व श्रम' मंत्री नियुक्त कर दिया। मगर वजूद में आते ही पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर मजहब के नाम पर तशद्दुद का दौर शुरू हो गया था। कत्लोगारत के उस खौफनाक मंजर से जब पाकिस्तान का धर्मनिरपेक्ष चेहरा बेनकाब हुआ, तो पाक में भाईचारे के पैरोकार बनकर गए जोगिंद्रनाथ मंडल ने पाक वजीरे आजम 'लियाकत अली' को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। पाकिस्तान के मजहबी जुनून के आगे बेबस होकर जोगिंद्रनाथ मंडल को दोबारा भारतभूमि पर ही शरण लेनी पड़ी थी। पाकिस्तान के वजूद में आने से पहले ही जिन्ना को अपने मुल्क के लिए 'कौमी तराना' की जरूरत महसूस हो चुकी थी। उस वक्त जिन्ना ने उर्दू सहाफत के नामवर शायर 'जगन्नाथ आजाद' से पाकिस्तान का कौमी तराना लिखने की गुजारिश की। जगन्नाथ आजाद द्वारा लिखा गया पाकिस्तान का कौमी तराना 14 अगस्त 1947 की रात को रेडियो 'लाहौर' से पहली बार नसर हुआ था। लेकिन सितंबर 1948 में मोहम्मद अली जिन्ना की वफात के बाद जगन्नाथ आजाद द्वारा लिखे गए पाक कौमी तराने पर मजहबी गर्दिश का साया पड़ गया। पाकिस्तान के मजहबी रहनुमाओं को एक गैर इस्लामी शायर का लिखा कौमी तराना रास नहीं आया। नतीजतन जिन्ना का मुस्तहब पाक कौमी तराना बदल दिया गया। मजहबी हिकारत से आहत होकर जगन्नाथ आजाद ने अपने पूर्वजों की पुश्तैनी विरासत को अपनी जन्मभूमि मियांवली में त्याग कर पाकिस्तान को अलविदा कह कर भारत में ही शरण ली थी। अंग्रेज वायसराय लार्ड कर्जन द्वारा सन् 1905 में बंगाल विभाजन की अजीयत भरी कारकर्दगी से मायूस होकर 'रविंद्रनाथ टैगोर' ने बंगाल में इत्तेहाद का माहौल बरकरार रखने के लिए 'आमार सोनार बांग्ला' नामक गीत की रचना की थी। उस दौर में 'बंगदर्शन' नामक पत्रिका में प्रकाशित वो नगमा काफी लोकप्रिय हुआ था। भारत के रहमो करम से सन् 1971 में वजूद में आए बांग्लादेश ने अपनी 'यौम-ए-तासीस' के वक्त टैगोर के उस नगमें को अपना कौमी तराना तस्लीम कर लिया था, लेकिन 'आमार सोनार बांग्ला' सन् 1975 में ही मजहबी कट्टरपंथ का शिकार हो गया। बांग्लादेश की मजहबी जमातों के आगे बेबस होकर राष्ट्रपति 'मुश्ताक अहमद' द्वारा गठित की गई कमेटी के मजहबी रहनुमां काजी नसरूल इस्लाम ने टैगोर के लिखे तराने को रुखसत करने का मश्विरा पेश कर दिया था। बांग्लादेश की मौजूदा मजहबी जमातें भी उसी तहरीर को दोहरा रही हैं। अपने चर्चित उपन्यास 'लज्जा' के जरिए बांग्लादेश के मजहबी कट्टरपंथ को बेनकाब करने वाली लेखिका 'तस्लीमा नसरीन' को सन् 1994 में अपना मुल्क बांग्लादेश छोडऩा पड़ा। वहां की कट्टरपंथी जमातों तथा कई आतंकी संगठनों ने तस्लीमा नसरीन के खिलाफ मौत का फरमान जारी कर दिया था। तस्लीमा नसरीन ने सन् 2004 से भारत में शरण ली है।

कुछ अलग

पद-दौलत से बड़ी हैं मानवीय संवेदनाएं

ईश्वर ने संसार में भेजते समय हर आदमी को एक 'ढाई इंच' की थैली दी है, जिसे हम सब आज 'दिल' कहते हैं और इसमें भर दिया है ईश्वर ने भावनाओं का एक लबालब सागर। इसी के साथ हर आदमी को दे दिया है काफी बड़ा-सा 'दिमाग', जिसमें भरे हैं अहंकार, लालच और हवस के भंडार। कहते हैं कि छोटा-सा 'दिल' सारी दुनिया को अपने में समा लेता है, लेकिन बहुत बड़ा-सा 'दिमाग' अपने आगे किसी को कुछ भी समझता ही नहीं। कितना ही धन-दौलत हो जाए, इस दिमाग की 'हवस' भरती ही नहीं और इसका 'अहंकार' तो इसे हमेशा उड़ाए रखता है और आदमी के पैर ज़मीन पर ही नहीं पड़ते। फक्कड़ कबीर जाने किस मस्ती में लिख गए थे, जीवन की सबसे बड़ी सच्चाई— सच मानिए, जब भी 'कृष्ण-सुदामा की मित्रता' के विषय में सोचता हूं, तो यही लगता है कि यहां 'दिल और दिमाग' यानी 'भावना और अहंकार' का द्वंद्व ही तो दिखाया गया है। एक राजा के सामने जब बाल सखा के रूप में दीन-हीन व्यक्ति खड़ा हो, तब हमें 'दिल' और 'दिमाग' की असलियत पता चलती है। वस्तुतः 'संवेदना' के आगे संसार की सारी निधियां बेकार हो जाती हैं। आदमी के पास 'संवेदनाएं' हैं तो वह 'दधीचि' बनकर मानवता के लिए अपनी अस्थियों का दान दे सकता है और 'अहंकार' है तो रावण बनकर सब कुछ खो देता है। किसी कवि ने खूब कहा भी है :-

'अहंकार का बोझ प्रिय, सब कुछ देय डुबोय।
संवेदना के अमृत से, यह जग अमृत होय।'

आज इसी प्रसंग में भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त रहे आईएएस टीएन शेषन का लिखा हुआ एक संस्मरण याद हो आया है, जिसमें हमें प्रेरणा के साथ-साथ संवेदना का अमृत मिलेगा। 'टीएन शेषन जब भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त थे। तब एक बार वे अपनी पत्नी के साथ यूपी की यात्रा पर जा रहे थे। संयोगवश उनकी पत्नी ने सड़क किनारे एक पेड़ पर किसी 'बया' (एक प्रकार की चिड़िया) का घोसला देखा। इस बेहद प्यारे से लटके हुए घोसले को देखकर उन्होंने अपने पति से कहा, 'यह घोसला मुझे ला दो; बहुत प्यारा है। मैं इसे घर में सजाकर रखना चाहती हूं।' टीएन शेषन ने साथ चल रहे अपने एक सुरक्षा गार्ड से उस घोसले को नीचे उतार कर लाने को कहा। सुरक्षा गार्ड ने पास ही भेड़-बकरियां चरा रहे एक अनपढ़ से लड़के से कहा कि अगर तुम यह घोसला निकाल कर दे दोगे, तो मैं तुम्हें बदले में दस रुपये दूंगा। आश्चर्य कि उस लड़के ने सुरक्षा गार्ड को घोसला लाकर देने से साफ मना कर दिया। तब शेषन स्वयं कार से उतर कर गये और उस लड़के को पचास रुपये देने की पेशकश की, लेकिन लड़के ने उन्हें भी घोसला लाकर देने से साफ इनकार कर दिया। आश्चर्य में डूबे टीएन शेषन साहब ने जब उस लड़के से घोसला न लाने का कारण पूछा, तो गांव के अनपढ़ लड़के ने कहा कि, 'सर, इस घोसले में चिड़िया के बच्चे हैं। शाम को जब उन बच्चों की 'मां' खाना लेकर आएगी, तो वह घोसला न पाकर बहुत उदास होगी, इसलिए तुम कितना भी पैसा दे दो, मैं घोसला नहीं उतारूंगा।' इस घटना के बारे में श्री टीएन शेषन लिखते हैं कि... 'मुझे जीवन भर इस बात का अफ़सोस रहा कि एक पढ़े-लिखे आईएएस में वो विचार और भावनाएं क्यों नहीं आईं, जो एक अनपढ़ लड़का सोचता था?' उन्होंने आगे लिखा कि 'मेरी तमाम डिग्री, आईएएस का पद, प्रतिष्ठा और पैसा, सब उस अनपढ़ बच्चे के सामने मिट्टी में मिल गया।

देश दुनीया से

कानूनी दुरुपयोग से पुरुष हितों की अनदेखी

> देश की शीर्ष अदालत ने वैवाहिक विवाद की सुनवाई के दौरान इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि आईपीसी की धारा 498ए और घरेलू हिंसा अधिनियम देश में सबसे अधिक दुरुपयोग किए जाने वाले कानूनों में से एक बन गए हैं। एक मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कानून के दुरुपयोग की पेचीदगियों की जांच करते हुए इस बात पर अपनी चिंता व्यक्त की कि ये महिला सुरक्षा के लिए बने कानून किस प्रकार दुरुपयोग का शिकार हो रहे हैं।

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने वैवाहिक विवाद की सुनवाई के दौरान इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि आईपीसी की धारा 498ए और घरेलू हिंसा अधिनियम देश में सबसे अधिक दुरुपयोग किए जाने वाले कानूनों में से एक बन गए हैं। एक मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कानून के दुरुपयोग की पेचीदगियों की जांच करते हुए इस बात पर अपनी चिंता व्यक्त की कि ये महिला सुरक्षा के लिए बने कानून किस प्रकार दुरुपयोग का शिकार हो रहे हैं। न्यायाधीश गवई ने कहा कि नागपुर में एक ऐसा मामला देखने को मिला जिसमें अमेरिका चले गए एक व्यक्ति को एक अधूरी शादी के लिए 50 लाख रुपये चुकाने पड़े, जबकि वे दोनों एक दिन भी साथ नहीं रहे। उन्होंने यह भी कहा कि 'खुले तौर पर घरेलू हिंसा अधिनियम और धारा 498ए सबसे ज्यादा दुरुपयोग किया जाने वाले प्रावधानों में से हैं...।' उनकी यह टिप्पणी उस भावना को व्यक्त करती है जो कि न केवल समाज के विभिन्न वर्गों, बल्कि देश के विभिन्न न्यायिक निकायों से भी प्रतिध्वनित हो रही है। उल्लेखनीय है कि 3 मई, 2024 को न्यायाधीश जे.वी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने 'प्रीति गुप्ता बनाम झारखंड राज्य' के मामले में कहा, 'हमने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 85 और 86 पर गौर किया, ताकि पता लगाया जा सके कि क्या विधानमंडल ने इस न्यायालय के सुझावों पर गंभीरता से ध्यान दिया है... (इसमें) आईपीसी की धारा 498ए का शब्दशः पुनरुत्पादन के अलावा कुछ नहीं है। एकमात्र अंतर यह है कि आईपीसी की धारा 498ए का स्पष्टीकरण अब एक अलग प्रावधान, यानी भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 86 के माध्यम से है।' शीर्ष अदालत का यह वक्तव्य उस असंतोष की अभिव्यक्ति है, जहां विधानमंडल से यह अपेक्षित था कि वह उस सिद्धांत पर अवश्य विचार करे जो यह प्रतिपादित करता है कि समाज स्थिर नहीं है और इसके सामाजिक एवं सांस्कृतिक मानदंड समय के प्रवाह के साथ-साथ परिवर्तित होते रहते हैं। इसीलिए, समाज को अनुशासित एवं निर्देशित करने वाली वैधानिक नियमावली भी उसी अनुरूप परिवर्तित होनी चाहिए, अन्यथा वह अपना औचित्य खो देती है। विगत दो दशकों में शीर्ष अदालत से लेकर देश की विभिन्न उच्च अदालतों ने इस मुद्दे को उठाया है कि महिलाओं के लिए बनाए गए सुरक्षात्मक प्रावधानों का उपयोग कभी-कभी हथियार के रूप में किया जा रहा है। परंतु इसके बावजूद इस ओर ध्यान न दिया जाना निराशाजनक तस्वीर पेश करता है। इसमें किंचित भी संदेह नहीं कि महिलाएं आज भी भावनात्मक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित होती हैं, परंतु इसका तात्पर्य यह कदापि नहीं है कि पुरुष 'अभेद्य सुरक्षा कवच' से घिरे हुए हर प्रताड़ना से मुक्त हैं। पुरुषों की पीड़ा की बात करना निश्चित ही स्वयं को नारीवादी विरोधी के रूप में उस कठघरे में खड़ा करना है, जिसमें महिला अधिकारों के शत्रु के रूप में चिन्हित किया जाएगा और उसकी आलोचना होगी। किंचित यह भय ही विधि निर्माताओं के समक्ष उपस्थित होता होगा। एक समाज के समावेशी विकास के लिए 'लैंगिक समानता' मूलभूत सिद्धांत है। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि लैंगिक समानता का तात्पर्य अक्सर केवल स्त्री अधिकारों से जोड़ा जाता है, जिससे पुरुषों के अधिकारों की अवहेलना स्वतः ही हो जाती है। लैंगिक समानता की वास्तविक परिभाषा बिना किसी लिंग भेद के सभी की समानता को प्रतिस्थापित करना है। स्तब्ध करने वाला सत्य यह है कि स्त्री द्वारा उच्चारित हर शब्द और आरोप को शब्दशः स्वीकारने की प्रवृत्ति के चलते, बिना सत्यता परीक्षण के पुरुष को अपराधी घोषित कर दिया जाता है। जबकि दुनिया का कोई भी शोध यह सिद्ध नहीं कर पाया है कि पुरुष और स्त्री का जैविक अंतर भावनाओं के विभेद से भी जुड़ा हुआ है और न ही यह सिद्ध हुआ है कि स्त्री 'शत्रुताभाव', 'ईर्ष्या', 'द्वेष' और 'घृणा' जैसे भावों से पूर्णतया मुक्त है। 'द फॉल्स्ली एक्यूज्ड कैन नेवर गेट देयर लाइव्स बेक' किम्बर्ली जे. बेंजामीर का अध्ययन बताता है कि झूठे आरोपों का गहरा मनोवैज्ञानिक एवं भावनात्मक आघात होता है और इसके परिणाम आजीवन परिलक्षित होते हैं, भले ही आरोपों के परिणामस्वरूप दोष सिद्ध न हुए हों। मिथ्या रूप से आरोपित किए जाने वाले व्यक्ति समाज में अपनी गरिमा और विश्वसनीयता की भावना खो सकते हैं, जिससे उनके जीवन की आशा और उद्देश्य लुप्त हो जाते हैं। वहीं मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी का शोध 'द इम्पैक्ट ऑफ़ बीइंग रोंगली एक्यूज्ड : विक्टिम वॉयसेस' झूठे आरोपों के पीड़ितों के साक्षात्कारों का दस्तावेजीकरण करता है, जो कि कानूनी रूप से निर्दोष थे। यह शोध बताता है कि झूठे आरोपों के चलते उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा, आत्मसम्मान, दोस्त और पेशेवर जिंदगी को खो दिया।

आप का नजरीया

इस पताका को ऊर्जा चाहिए

दिशाएं पुनः अपनी मंजिल के निशान खोज रही हैं, लेकिन इस सफर की कहानी अभी गुम है। संघर्षरत हिमाचल की पताका को जो ऊर्जा चाहिए, उसे ऊर्जा विभाग में खोजा जा रहा है। बहरहाल हिमाचल सरकार वर्षों से व्यर्थ गुजर रहे पानी को अपनी आर्थिक अमानत बनाने के हरसंभव विषय और शब्द को नई आवाज देना चाहती है। हमारी दौलत भी यही और दस्तूर भी यही कि बहते जल को निचोड़ दें। सुक्खू सरकार की हर मंत्रिमंडलीय बैठक से कारनामे ढूंढ रहे प्रदेशवासियों को कहीं यथार्थ पर भरोसा करना होगा तो कहीं सख्त कदमों के लिए दिल पर पत्थर रखना होगा। अब वक्त आ गया है जब सियासत को भी अच्छी आर्थिक नीतियों को अंगीकार करना होगा। हम शुक्रवार की मंत्रिमंडलीय बैठक से कई ऐसे चिराग ले सकते हैं, जो सरकारी नौकरी का घूंघट उठा कर मोहित कर दें, लेकिन देखना यह है कि यह सरगम आ किस स्रोत से रहा है। फॉरेस्ट गार्ड भर्ती अब बदलकर सौ वन रक्षकों का इंतजार कर रही है, तो करीब 75 अन्य पद भी रोजगार की झोली में आ रहे हैं। पांवटा साहिब व देहरा गोपीपुर को मिल रहे पचास-पचास बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक का प्रयोग अगर सफल होता है, तो चिकित्सा सेवाओं के दर्पण पर नागरिक भरोसा प्रतिबिंबित होगा। मंत्रिमंडल की बैठकें दरअसल सत्ता की सियासत का सेहरा पहनकर हमें टटोलती हैं और तब हम देख पाते हैं कि सरकार की प्राथमिकताएं हैं क्या। हर सरकार खुद और राज्य को चलाने के लिए पटरियां बिछाती है और सुक्खू सरकार भी ऐसी ही कसौटियों में, कर्जदार हिमाचल से किफायत के चंद घूंट निकालकर मुस्कराना चाहती है। अब खर्च पर लगाम का संदेश देते कई पैगाम मिल जाएंगे। मुख्यमंत्री का हेलीकाप्टर नौ दिन विश्राम करके तीस लाख बचा देगा। यह पहल उदाहरण से कहीं आगे अगर पैगाम बने तो प्रदेश भर के सरकारी वाहनों की संचालन लागत में अंतर आ सकता है, बशर्ते मितव्यतता के सिद्धांत पर नीतिगत फैसले अमल में लाए जाएं। धूमल सरकार के वक्त अधिकारियों के वाहनों की पूलिंग शुरू हुई थी या बाद में जयराम सरकार ने ऑनलाइन बैठकों का दौर शुरू किया, लेकिन ऐसे निर्णय किफायत की रिहर्सल बन कर ही रह जाते हैं। सुक्खू सरकार ने आते ही ग्रीन स्टेट बनाने के नजरिए से कुछ कार्यालयों में इलेक्ट्रिक वाहन पहुंचा दिए, लेकिन बसों की खरीद टेंडर प्रक्रिया में ही फंसी रही। हिमाचल सरकार लगभग 2680 मेगावाट बिजली की परियोजनाओं को वापस ऊर्जा निगम के हवाले कर रही है। अब जंगी थोपन, रेणुका जी व थाना पलौन की विद्युत परियोजनाएं लौट के हिमाचल के ही सार्वजनिक उपक्रम को मिल रही हैं। यह दीगर है कि प्रदेश के अधिकांश सार्वजनिक उपकरण घाटे के वजूद में बजट की हड्डियां तोड़ रहे हैं। घाटे के सरकारी होटल व घाटे के सरकारी रूट किफायत के सपनों को तार-तार कर रहे हैं, तो फैसले इस तरह बर्फ हो चुके संस्थानों को पिघलाने के लिए भी लेने पड़ेंगे। सुक्खू सरकार शिक्षा सुविधाओं के आकाश में हिमाचल के बच्चों का आसमान बड़ा करना चाहती है या जो अभिभावक विदेश की पढ़ाई में अपनी औलाद का क्षितिज बदलना चाहते हैं, उनका समर्थन कर रही है।

एसटीएफ और उन्नाव पुलिस की मुठभेड़ में सुल्तानपुर में डकैतीकांड का आरोपी ढेर

उन्नाव, (हि.स.)। सुल्तानपुर में हाल ही में ज्वेलर्स की दुकान में हुई डकैती की घटना में शामिल एक आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई। यह मुठभेड़ सुबह के समय अचलगंज थाना क्षेत्र के कुलुहागढ़ा में हुई, जिसमें आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी को ढेर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर के एक ज्वेलरी शॉप में हुई डकैती की वारदात ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया था। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) को सक्रिय किया। सूत्रों से मिली जानकारी के बाद एसटीएफ और उन्नाव पुलिस ने मिलकर आरोपी की तलाश शुरू की और सूचना मिली कि अचलगंज थाना क्षेत्र में आरोपी कुलुहागढ़ा क्षेत्र में छिपा हुआ है। जैसे ही पुलिस टीम ने कुलुहागढ़ा क्षेत्र में आरोपी की मौजूदगी की सूचना पाई, उन्होंने उसे पकड़ने के लिए घेराबंदी की। आरोपी ने खुद को घिरा हुआ देखकर पुलिस पर गोली चलानी शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसके परिणामस्वरूप आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गया। जंहा जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मुठभेड़ में मारे गए आरोपी की पहचान अमेठी निवासी अनुज प्रताप सिंह के रूप में हुई है, जो धर्मराज सिंह का पुत्र है। घायल होने के बाद अनुज को उन्नाव जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से कई महत्वपूर्ण सबूत इकट्ठा किए हैं, जिनमें आरोपी के पास से बरामद हथियार और डकैती के दौरान चोरी किया गया सामान शामिल है। मामले की जांच जारी है। पुलिस ने इस घटना में अन्य संलिप्त व्यक्तियों की पहचान करने के लिए विशेष टीमें गठित की हैं।

कांग्रेस और जातिवादी पार्टियों को बिगड़े दिनों में याद आते हैं दलित : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दलितों को लेकर सोमवार को कांग्रेस समेत अन्य जातिवादी पार्टियों पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि बिगड़े दिनों में ही कांग्रेस और जातिवादी पार्टियों को दलितों की याद आती है। अच्छे दिन आते ही इन्हें फिर से दरकिनार कर दिया जाता है। मायावती ने कहा कि जैसा कि अभी हरियाणा प्रदेश में भी देखने के लिए मिल रहा है। पूरे देश में अभी तक के हुए राजनीतिक घटनाक्रमों से यह साबित होता है कि खासकर कांग्रेस व अन्य जातिवादी पार्टियों को अपने बुरे दिनों में तो कुछ समय के लिए इनको दलितों को मुख्यमंत्री व संगठन आदि के प्रमुख स्थानों पर रखने की जरूर याद आती है। लेकिन ये पार्टियां, अपने अच्छे दिनों में, फिर इनको अधिकांशतः दरकिनार ही कर देती हैं तथा इनके स्थान पर, फिर उन पदों पर जातिवादी लोगों को ही रखा जाता है जैसा कि अभी हरियाणा प्रदेश में भी देखने के लिए मिल रहा है। बसपा सुप्रीमों ने कहा कि जबकि ऐसे अपमानित हो रहे दलित नेताओं को अपने मसीहा बाबा साहेब डा.भीमराव अम्बेडकर से प्रेरणा लेकर इन्हें खुद ही ऐसी पार्टियों से अलग हो जाना चाहिए तथा अपने समाज को फिर ऐसी पार्टियों से दूर रखने के लिए उन्हें आगे भी आना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने देश के कमजोर वर्गों के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान की वजह से अपने केन्द्रीय कानून मंत्री पद से इस्तीफा भी दे दिया था। जिनसे प्रेरित होकर फिर मैंने भी जिला सहारनपुर के दलित उत्पीड़न के मामले में इसकी हुई उपेक्षा तथा ना बोलने देने की स्थिति में, फिर मैंने इनके सम्मान व स्वाभिमान में अपने राज्यसभा सांसद से इस्तीफा भी दे दिया था। ऐसे में दलितों को बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलने की ही सलाह है। उन्होंने कहा है कि इसके इलावा, कांग्रेस व अन्य जातिवादी पार्टियां शुरू से ही इनके आरक्षण के भी विरूद्ध रही हैं। राहुल गांधी ने तो विदेश में जाकर इसको खत्म करने का ही ऐलान कर दिया है। ऐसी संविधान,आरक्षण व एससी,एसटी,ओबीसी विरोधी पार्टियों से ये लोग जरूर सचेत रहें।

गोवंश काटने को लेकर लखनऊ के ग्रामीण क्षेत्रों में आक्रोश

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ में बक्शी का तालाब इलाके के बेहड़ करौदीं गांव में गोवंश काटने पर ग्रामीण क्षेत्र में माहौल गरम है। वहीं बक्शी का तालाब थाना पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा लिखकर उसे गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। बेहद करौदीं गांव निवासी राम विलास ने बताया कि उनके घर के बाहर गोवंश बंधी हुई थी। जब गोवंश को उन्होंने नहीं देखा तो उसे खोजने का प्रयास किया। तभी गांव के लोगों ने गोवंश के सिर, पैर मिलने की जानकारी दी। मौके पर जाकर पाया कि वह उसकी ही गाय है। उन्होंने बताया कि मौके पर गोवंश की दर्दनाक मौत देखकर उनका हृदय भर आया। वह बक्शी का तालाब थाना में तहरीर देकर चुप नहीं बैठेंगे। इस तरह की घटना करने वाले के विरुद्ध गोवध की धाराओं में ठोस कार्रवाई की मांग करते हैं। वहीं बक्शी का तालाब थाना के निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में हुई गोवंश की हत्या मामले में मुकदमा लिखकर अज्ञात व्यक्ति की तलाश की जा रही है। पुलिस की एक टीम तत्काल प्रभाव से सक्रिय कर दी गयी है। गौरतलब है कि बक्शी का तालाब क्षेत्र में बीते एक माह में यह तीसरी घटना है, जिसमें गोवंश को काटा गया है। बेहद करौदीं गांव के अलावा पहले हुई घटनाओं में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गयी। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिसकर्मियों के लाख प्रयास के बावजूद भी अभी तक गोवंश काटने वाले गिरफ्त में नहीं आ सके हैं।

कानपुर देहात फैक्ट्री अग्निकांड : मृतक के परिजनों से मिलेंगे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

कानपुर देहात, (हि.स.)। जनपद के रनिया औद्योगिक इलाके में गत्ता फैक्ट्री में लगी आग में छह लोगों की मौत के बाद कैबिनेट मंत्री राकेश सचान पीड़ितों से मिलने पहुँचे थे। वहीं, सोमवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी पीड़ित परिजनों से मिलने कानपुर देहात आएंगे। जनपद में आरपी पॉली प्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में शनिवार को हुए अग्निकांड में छह मजदूरों की मौत हो गई थी। इसके बाद जिला प्रशासन लगातार इस मामले में कार्यवाही भी कर रहा है। जनप्रतिनिधियों के मृतकों के परिजनों से मिलना भी शुरू हो गया है। इसी कड़ी में भाजपा के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान मृतकों के परिजनों से मिलने रविवार को पहुंचे थे। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 12-12 लाख रुपये की सहायता राशि की चेक सौंपी थी। कैबिनेट मंत्री ने जांच के बाद कठोर कार्रवाई का आश्वासन भी दिया है। इसी कड़ी में कांग्रेस के उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अजय राय भी सोमवार को मृतकों के परिजनों से मिलने की जानकारी जिला संगठन के द्वारा दी जा रही है। वह दोपहर में

मृतक मजदूरों के घर पहुँच कर परिजनों से शोक संवेदना प्रकट करेंगे। उनके दोपहर में करीब 2:00 बजे घटनास्थल (फैक्ट्री) पहुंचने की भी बात जिला संगठन ने दी है। गत्ता फैक्ट्री का जायजा लेने के बाद मीडिया से भी बात करेंगे।

आगामी पांच दिनों के मध्य छाए रहेंगे हल्के से माध्यम बादल, वर्षा के आसार नहीं

कानपुर, (हि.स.)। आगामी पॉच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाए रहने के आसार है लेकिन वर्षा की कोई संभावना नहीं है। यह जानकारी सोमवार को चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि एवं मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस. एन. सुनील पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि सोमवार दिन का अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस रहा। सापेक्षिक आर्द्रता की बात की जाए तो अधिकतम 78 प्रतिशत और न्यूनतम 57 प्रतिशत दर्ज किया गया। हवा की औसत गति 0.5 किलोमीटर प्रति घंटा रही और हवा की दिशा उत्तर पश्चिम रही।

देश भर में मौसम प्रणाली - डॉ. पांडेय ने बताया कि 23 सितंबर से पश्चिमी राजस्थान और गुजरात के कच्छ क्षेत्र के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हो रही हैं। समुद्र तल पर मानसून ट्रफ अब बीकानेर, कोटा, गुना, सागर, रायपुर, कलिंगपटनम से होकर दक्षिण-पूर्व दिशा में बंगाल की खाड़ी के पश्चिम मध्य भाग में पहुंच रही है। पूर्वी पश्चिमी ट्रफ आंध्र प्रदेश तट से म्यांमार के दक्षिणी तट तक फैला हुआ है, जिसमें दो ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण हैं। एक मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर और दूसरा दक्षिण तटीय म्यांमार के ऊपर औसत समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक बना हुआ है। दूसरे चक्रवर्ती परिसंचरण के पश्चिम उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की उम्मीद है। इन दो ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरणों के प्रभाव से, अगले 24 घंटों के दौरान पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और आसपास के क्षेत्रों में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

झांसी के महेश कश्यप बने सपा के प्रदेश सचिव

झांसी, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की विशेष संस्तुति पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने झांसी के पूर्व जिलाध्यक्ष महेश कश्यप को प्रदेश सचिव नामित किया है। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष महेश कश्यप की कार्यशैली को देखते हुए उन्हें प्रदेश सचिव के पद मनोनीत किया गया है। प्रदेश सचिव बनाए जाने पर कार्यकताओं में उत्साह है। गौरतलब है कि अपने कार्यकाल में जिलाध्यक्ष की अहम भूमिका निभाने तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने व हर वर्ग के लिए हमेशा साथ देने वाले महेश कश्यप के पास संगठन का अच्छा अनुभव है। पार्टी में जिलाध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उनके पास लंबे समय तक रही। उनके कार्यकाल में सपा के सभी वर्ग के लोग उनके साथ रहे।

एनडीए झारखंड में प्रचंड जीत दर्ज करेगी : चिराग पासवान

लोहरदगा, (हि.स.)। झारखंड के पलामू जाने के क्रम में कुडू बस स्टैंड में लोजपा सुप्रीमो चिराग पासवान का आजसू पार्टी ने स्वागत किया। इस दौरान आजसू के कार्यकताओं से वार्ता करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए प्रचंड बहुमत के साथ झारखंड में सरकार बनाएगी और भ्रष्ट हेमंत सरकार को उखाड़ कर दम लेगी। चिराग ने कहा कि एनडीए के बड़े से बड़ा नेता एवं कार्यकर्ता दिन-रात एक किए हुए हैं तथा जनता के जाकर इस सरकार की जन विरोधी नीतियों को उजागर कर रहे हैं। अब यह सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी। इसकी उम्र खत्म हो गई है। उन्होंने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि झारखंड निर्माण जिस सोच के साथ हुआ था वह अभी तक अधूरा है। अटल बिहारी वाजपेयी ने यह राज्य बिहार से अलग कर इसको विकसित राज्य की श्रेणी में लाने का सपना देखा था लेकिन आज लूट-खसोट कर बर्बाद करने वालों के हाथों में झारखंड चला गया है। बिहार के बाद यह झारखंड को बर्बाद कर रहे हैं। अब इनकी मनमानी नहीं चलेगी। एनडीए की सरकार बनेगी और राज्य का समुचित विकास किया जाएगा। चिराग के स्वागत में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मंईयां सम्मान योजना रोक सकते हैं तो रोक कर दिखाइए : कल्पना सोरेन

गढ़वा, (हि.स.)। मुख्यमंत्री की पत्नी सह विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि ये वही हेमंत सोरेन हैं जिनको पांच महीने जेल में डाला था। इस योजना की शुरूआत हेमंत सोरेन ने पहले ही कर ली थी। आज आपको दूसरा किस्त मिल रहा है। आज आपको 7वां किस्त मिल रहा होता लेकिन भाजपा वालों की वजह से ये योजना रूक गया। कल्पना ने कहा कि भाजपा वालों ने हेमंत सोरेन को जेल में नहीं डाला, बल्कि कल्याणकारी योजनाओं को जेल में डाल दिया। भाजपा वाले नहीं चाहते हैं कि हमारी माताओं बहनों के खाते में हजार टका आए। जैसे ही हमने मंईयां सम्मान योजना के पहली किस्त दी वैसे ही बीजेपी के कुछ लोगों ने पीआईएल कर दिया। कल्पना सोरेन गढ़वा के बंशीधर नगर से सोमवार को मंईयां सम्मान यात्रा की शुरूआत करने के बाद सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं आपसे पूछना चाहती हूं कि आप इस योजना से खुश है या नहीं। यदि आप खुश हैं तो उनको दिखा देना है। जवाब उन लोगों को जो हिमाकत करते हैं हमारी बहनों की योजनाओं पर पीआईएल करने का। हमारी बहनों की योजनाओं पर पीआईएल दाखिल किया गया है। हम चेतावनी दे देना चाहते हैं कि झारखंड की जितनी भी योजनाए हैं, चाहे वह दीदियों के लिए हो, बेटियों के लिए हो, भाई-दादा के लिए हो ये योजनाएं ऐसी ही चलने वाली है। आप रोक सकते हैं तो रोक कर दिखाईए।

क्योंकि, मुझे पता है कि हमारे झारखंड की बहनें, झारखंड के भाई पूरे जोश के साथ लड़ रहे हैं हेमंत को मुख्यमंत्री बनाने के लिए। इस दौरान उन्होंने स्टेज से पूछा कि किसकी सरकार बनेगी। जवाब में लोगों ने कहा हेमंत सोरेन की। फिर कल्पना सोरेन ने पूछा कि हेमंत सोरेन आपके क्या लगते हैं। लोगों ने जवाब दिया दादा लगते हैं। इस पर कल्पना सोरेन ने कहा कि हेमंत सोरेन को झारखंड का मुख्यमंत्री इसलिए बनाना है। वो इसलिए बनाना है कि अभी बहुत सारे नेता जो केंद्र में बैठे हुए हैं वो लोग झारखंड में मंडरा रहे हैं। वो बताने आ रहे हैं कि आदिवासी बेटा हेमंत सोरेन झारखंड के लिए कुछ नहीं कर रहा है लेकिन अब झारखंड की जनता बताएगी कि बाहर से आप सात से आठ जितने मुख्यमंत्री को लाना है ले आईए लेकिन आने वाले साल में भी हेमंत सोरेन ही झारखंड के मुख्यमंत्री रहेंगे। क्योंकि, हेमंत सोरेन के साथ झारखंड की जनता खड़ी है।

कोर्ट ने राज्य सरकार को फ्रॉड कहा, वैसे भी झूठ बोलने का है पुराना रिकॉर्ड : प्रतुल शाहदेव

रांची, (हि.स.)। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने सोमवार को एक्स पर लिखा, उच्च न्यायालय ने कहा है कि राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के साथ फ्रॉड किया। यह टिप्पणी उच्च न्यायालय ने इंटरनेट सेवा को परीक्षा के दौरान सस्पेंड करने के मामले में दिया है। प्रतुल ने लिखा हैकि उच्च न्यायालय ने आदेश के पैराग्राफ नौ में कहा कि राज्य सरकार ने कहा था कि सिर्फ मोबाइल की इंटरनेट सेवा बाधित होगी। बाकी ब्रा-डबैंड समेत तमाम सेवाएं चलती रहेंगी लेकिन राज सरकार ने फ्रॉड करते हुए सारी सेवाओं को बंद कर दिया। वैसे उच्च न्यायालय में झूठ बोलने का राज्य सरकार का पुराना ट्रैक रिकार्ड रहा है। संताल के छह जिलों के उपायुक्तो ने तो नए शपथ पत्र पर कहा था कि उनके जिलों में बांग्लादेश का कोई घुसपैठिया नहीं है। शर्म करो सरकार। उल्लेखनीय है कि सीजीएल परीक्षा के दौरान नेटबंदी को लेकर कोर्ट ने सख्त रवैया अख्तियार करते हुए सरकार को फटकार लगायी है। कोर्ट ने रविवार को ही आकस्मिक रूप से मामले पर सुनवाई की। न्यायमूर्ति आनंदी सेन और एआर चौधरी की खंडपीठ ने राज्य सरकार से नाराजगी जताते हुए कहा कि कोई भी इंटरनेट सेवा बाधित किया जाना है, तो उससे पहले उच्च न्यायालय का आदेश लिया जाना जरूरी होगा। भविष्य में इस बात का ध्यान रखे और परीक्षा के लिए इंटरनेट सेवा बाधित किया जाना कहीं से उचित नहीं है। अदालत ने आज राज्य सरकार के गृह सचिव को सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया था। साथ ही वो फाइल जमा कराने का निर्देश दिया गया था, जिसमें इंटरनेट सेवा को बाधित किए जाने का आदेश जारी किया गया था।

बिहार के मुंगेर में गंडक नदी पर बना पुल नदी में समाया, खगड़िया जिले से संपर्क टूटा

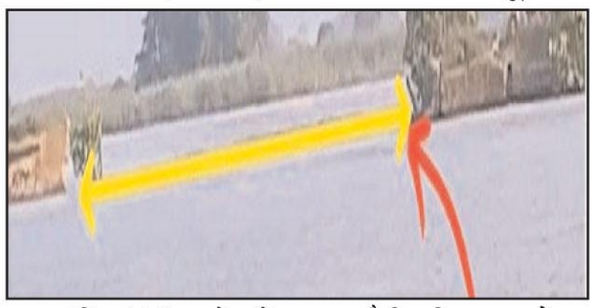

पटना, (हि.स.)। बिहार के मुंगेर जिले में गंडक नदी पर बना पुल सोमवार को नदी में समा गया। घटना जिले के बरियारपुर प्रखंड के हरिणमार पंचायत और गोगरी के बीच हुई है, जहां गंडक नदी की धार पर बना बिचली पुल पानी में बह गया। आज पुल गिरने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले बख्तियारपुर से समस्तीपुर के बीच बन रहे फोरलेन पुल का स्पैन गिर गया।

इसके कुछ देर के बाद ही मुंगेर में पुलिया नदी में समा गयी। दरअसल, नेपाल से छोड़े गये पानी से बिहार की नदियां उफान पर हैं। इसी क्रम में बिचली पुल पर बाढ़ के पानी का बहाव तेज हो गया था। यही कारण है कि पुलिया ध्वस्त हो गया है। पुल के ध्वस्त होने के बाद कई पंचायतों का संपर्क खगड़िया जिले के गोगरी से भंग हो गया है। लोगों का कहना है कि गांव में ऐसे कई पुल हैं तो ध्वस्त होने के कगार पर पहुंच चुका है। यदि और पुल पानी में बह जाते हैं तो लोगों को समस्या होगी। मुखिया प्रतिनिधि के अनुसार बिचली पुल ध्वस्त हो गया है। इलाके में गंगा और गंडक का पानी फैल गया है। लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। बरियारपुर प्रखंड के कई गांवों की 80 हजार की आबादी प्रभावित हो गयी है। सड़क पर भी पानी का जमाव है। आम लोगों के साथ मवेशी को भी काफी परेशानी हो रही है।

मुख्यमंत्री ने जहानाबाद जिले में करोड़ों की योजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को जहानाबाद जिले में विभिन्न विभागों के अंतर्गत 57 करोड़ 14 लाख 59 हजार रुपये की योजनाओं का उद्घाटन तथा 65 करोड़ 62 लाख 4 हजार रुपये की योजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने पटना से जहानाबाद जाने के क्रम में सरिस्ताबाद गांव के पास एनएच-30 और नाथूपुर गांव के पास एनएच-83 को जोड़ने वाले निमार्णाधीन पटना-गया-डोभी लिंक पथ का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने पटना-गया-डोभी (एनएच 83) मार्ग पर अवस्थित जहानाबाद में निमार्णाधीन आरओबी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद कनौदी गांव के पास एनएच 83 पर ही आयोजित समीक्षा बैठक में पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने पटना-गया-डोभी पथ के निर्माण कार्य के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने जहानाबाद के कल्पा ग्राम में नवनिर्मित कल्पा पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली।

पंचायत सरकार भवन परिसर में ही आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गृह विभाग के अंतर्गत 4.70 करोड़ रुपये की लागत से जहानाबाद जिला में नवनिर्मित अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति सह महिला थाना भवन का उद्घाटन किया तथा 15.55 करोड़ रुपये की लागत से जहानाबाद जिला में 150 महिला सिपाही बैरक, अभियोजन भवन, प्रक्षेत्रीय जिला प्रोबेशन कार्यालय भवन सहित कुल 11 पुलिस भवनों का भी शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वहां विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री उद्यमी योजना अंतर्गत लाभुकों को चेक, उज्ज्वल दृष्टि योजना अंतर्गत वृद्ध जनों को चश्मा भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने लाभुकों को आयुष्मान भारत कार्ड, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत विद्यार्थियों को कुल 5 लाख 21 हजार रुपये का सांकेतिक चेक, भूमि संरक्षण अंतर्गत जल छाजन विकास योजना के तहत 50 लाभुक किसानों को 25 लाख का सांकेतिक चेक तथा 5573 जीविका स्वयं सहायता समूहों को 45 करोड़ 26 लाख रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कल्पा ग्राम स्थित तालाब के जीर्णोद्धार कार्य तथा पेवर ब्लॉक पथ का भी निरीक्षण किया और तालाब किनारे बेहतर ढंग से पौधरोपण कराने तथा सौंदर्यीकरण को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए।

राहत शिविर के संचालन को लेकर हुई ऑनलाइन बैठक

भागलपुर, (हि.स.)। गंगा नदी में अप्रत्याशित जलस्तर में वृद्धि के कारण भागलपुर के विभिन्न प्रखंडों के कई इलाकों में फैले नदी के पानी के कारण वहां के लोगों ने विद्यालयों एवम अन्य स्थलों पर शरण लिया है। उन शरण स्थलों पर चलाए जा रहे सामुदायिक किचन एवं राहत शिविर की व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी द्वारा सुबह- शाम ऑनलाइन बैठक कर स्थिति की जानकारी ली जा रही है। सोमवार को सुबह की बैठक में उन्होंने तीनों अनुमंडल पदाधिकारी से उनके इलाके की स्थिति का फीडबैक लिया। बताया गया कि कई विद्यालयों में जहां लोग शरण लिए हुए हैं, वहां चापाकल खराब स्थिति में है। उन्होंने पीएचईडी के संबंधित कनिय अभियंता के विरुद्ध गलत प्रतिवेदन देने के लिए प्राथमिकी दर्ज करने को कहा। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में या जहां भी लोग शरण लिए हुए हैं वहां चार-चार चापकल संस्थापित कराया जाए और इसे तुरंत सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जहां भी राहत शिविर चलाया जा रहा है।

वहां आवासन, सामुदायिक किचन, शौचालय, पेयजल, पशु चारा, गोबर निष्पादन की व्यवस्था, साफ-सफाई, राहत शिविर के लिए स्थानीय समिति का गठन, स्थानीय शिक्षक द्वारा शिविर के पंजी का संधारण, अभिलेख के लिए भोजन और पशु चारा वितरण की वीडियो ग्राफी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी अंचलाधिकारी को आवश्यकतानुसार सामुदायिक किचन चलाने का छूट दी और यह भी कहा है कि आपदा प्रबंधन के कार्य में कोई भी कोताही करेगा चाहे वह जिस स्तर का कर्मी या पदाधिकारी हो उसके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के मुख्य अभियंता ने बताया कि मुंगेर में गंगा का जल स्तर घटना प्रारंभ हो गया है। भागलपुर में जल स्तर स्थिर हो गया है। आज रात से नदी का पानी घटने की संभावना है।

गोयल ने ऑस्ट्रेलिया में व्यापार जगत के नेताओं और कंपनियों के सीईओ से की मुलाकात

सिडनी/नई दिल्ली ।
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को निवेश के अवसरों पर चर्चा करने के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया की विभिन्न कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख सुपर फंड्स के साथ शानदार बैठक हुई, जिसमें हमने भारत के गतिशील विकास क्षेत्रों में महत्वपूर्ण निवेश अवसरों की खोज की। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में ऑस्ट्रेलिया भारत संबंध केंद्र द्वारा आयोजित लंच राउंडटेबल में ऑस्ट्रेलियाई व्यापार जगत के नेताओं के साथ नान और नई जमीन पर चर्चा के बाद यह कही। उन्होंने बताया कि इस बैठक मेन्यू में विचारों का संगम, नवाचार की झलक और नए भारत की खुशबू और हमारी रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के अवसरों के तहत द्विपक्षीय सहयोग की हार्दिक सेवा शामिल थी। उन्होंने कहा कि सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा हुई, जिससे भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापार और निवेश संबंधों को और बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल ने कहा कि भारत के विकास और दोनों पक्षों के बीच सहयोग के भविष्य के अवसरों पर चर्चा करने के लिए ऑस्ट्रेलिया की बिजनेस काउंसिल और भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडल के साथ जुड़ना बहुत अच्छा लगा। उन्होंने आगे कहा कि मुंबई से मेलबर्न तक भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक कम्पास साझा समृद्धि की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि हमने अपने व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए नए रास्ते तलाशे हैं। उन्होंने कहा कि एयरट्रंक के संस्थापक और सीईओ रॉबिन खुदा से परिचय हुआ। भारत के डिजिटलीकरण विकास और भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में सहयोग की महत्वपूर्ण संभावनाओं पर चर्चा की गई।

न्यूज ब्रीफ

केंद्र सरकार को ईसीजीसी, एनएचपीसी और बीएचईएल से मिले लाभांश किश्त के 828 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ईसीजीसी लिमिटेड, एनएचपीसी लिमिटेड और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचइएल) ने लाभांश किस्तों के रूप में कुल 828 करोड़ रुपये दिए हैं। इन तीनों कंपनियों में ईसीजीसी लिमिटेड ने 434 करोड़ रुपये, एनएचपीसी लिमिटेड 339 करोड़ रुपये और बीएचइएल ने 55 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। वित्त मंत्रालय के निवेश और लोकसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ईसीजीसी लिमिटेड, एनएचपीसी लिमिटेड और बीएचइएल से लाभांश किस्तों के रूप में क्रमशः 434 करोड़ रुपये, 339 करोड़ रुपये और 55 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इस तरह कुल मिलाकर सरकार को लाभांश किश्तों के रूप में कुल 828 करोड़ रुपये मिले हैं। उल्लेखनीय है कि ईसीजीसी लिमिटेड भारत की एक सरकारी स्वामित्व वाली निर्यात ऋण एजेंसी है। ये कंपनी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत कार्यरत है। वहीं, एनएचपीसी लिमिटेड वर्ष 1975 में स्थापित भारत सरकार का एक सार्वजनिक उपक्रम है। इसका उद्देश्य सभी रूपों में हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर के समेकित एवं दक्ष विकास की योजना बनाना तथा पर्यावरण संतुलन को ध्यान मे रखते हुए इसे विकसित और संगठित करना है। इसके अलावा भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचइएल) भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग व विनिर्माण क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी है। बीएचईएल भारत में ऊर्जा संबंधी मूलभूत संरचना क्षेत्र में विशालतम इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण उद्यम है।

लीला पैलेस की मूल कंपनी ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली। लीला पैलेस होटल्स एंड रिसॉर्ट्स का परिचालन करने वाली कंपनी श्लॉस बैंगलोर लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 5,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए। यह होटल क्षेत्र में देश का सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) में दाखिल आरंभिक दस्तावेजों के अनुसार कंपनी का प्रस्तावित आईपीओ 3,000 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयरों के नए निर्गम और प्रवर्तक प्रोजेक्ट बैलेट बैंगलोर होल्डिंग्स (डीआईएचसी) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 2,000 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट द्वारा समर्थित श्लॉस बैंगलोर ने कहा कि नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने तथा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

छोटे शहरों के प्रॉपर्टी मार्केट में बूम, गुरुग्राम-नोएडा से आगे निकले रांची, देहरादून और इंदौर जैसे शहर

नई दिल्ली। लंबे समय तक सुस्ती का सामना करने के बाद अब छोटे शहर भी रियल एस्टेट मार्केट के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर उभरे हैं। महानगरों और बड़े शहरों की महंगाई और भीड़ भाड़ के कारण रियल एस्टेट के खरीदारों में छोटे शहरों के प्रति रुचि बढ़ी है। इस बात की जानकारी शहरी विकास मंत्रालय की एक रिपोर्ट में दी गई है। मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक कई छोटे शहरों में प्रॉपर्टी की कीमत नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद जैसे बड़े शहरों को भी पीछे छोड़ चुकी है। छोटे शहर में भी अब फ्लैट, प्लॉट या विला की मांग काफी बढ़ गई है, जिसके कारण इनकी कीमत दिल्ली-एनसीआर की कीमत के स्तर पर पहुंच गई है। बड़े शहरों की भीड़भाड़ और तनाव भरी जिंदगी से बचने के लिए भी लोग छोटे शहरों में रहना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इस वजह से छोटे शहरों में घरों की मांग तो बढ़ी ही है, लग्जरी लाइफस्टाइल के प्रति भी लोगों में रुझान बढ़ा है। इसी वजह से रियल एस्टेट डेवलपर्स भी बड़े शहरों की तुलना में छोटे शहरों में अपना प्रोजेक्ट लॉन्च करने में ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

शेयर बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी का सिलसिला नए शिखर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

निवेशकों ने 1 दिन में की 4.29 लाख करोड़ की कमाई

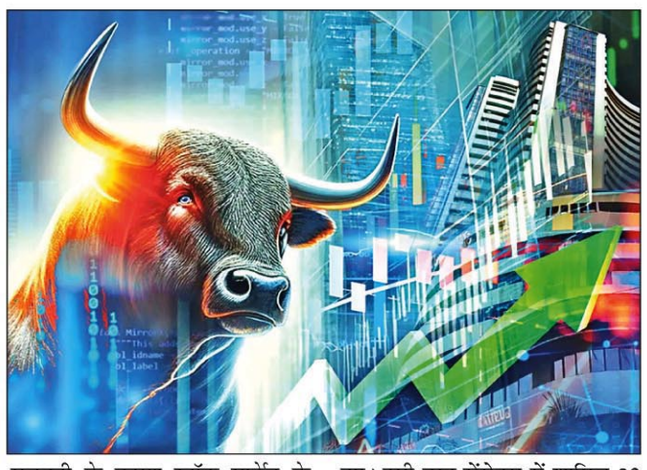

नई दिल्ली।
घरेलू शेयर बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी का सिलसिला सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी दिन भी जारी रहा। शेयर बाजार ने ऑल टाइम हाई ओपनिंग के नए रिकॉर्ड से कारोबार की शुरुआत की, दिन के कारोबार में शेयर बाजार के दोनों सूचकांक मजबूती के नए शिखर पर पहुंचे और अंत में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बना कर मजबूती के नए शिखर पर कारोबार का अंत किया। सोमवार को दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.45 प्रतिशत और निफ्टी 0.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

पूरे दिन के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, बैंकिंग और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके साथ ही रियल्टी, ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। सिर्फ आईटी सेक्टर में सोमवार को बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का आईटी इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार लिवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.73 प्रतिशत की तेजी के साथ सोमवार को करोबार का अंत किया।

सोमवार को शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 476 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 471.71 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को सोमवार को कारोबार से करीब 4.29 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

सोमवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,233 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,381 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,731 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 121 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,501 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,562 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 939 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स सोमवार को 106.84 अंक की मजबूती के साथ ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 84,651.15 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद पहले 1 घंटे के कारोबार में लगातार खरीदारी होती रही, जिससे ये सूचकांक उछल कर मजबूती के नए शिखर 84,881.79 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक 84,607.38 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि, दोपहर 12 बजे के बाद एक बार फिर खरीदारों ने बाजार में लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से ये सूचकांक कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले 436.22 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 84,980.53 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 384.30 अंक की तेजी के साथ क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 84,928.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने भी सोमवार को 81.60 अंक की छलांग लगा कर ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 25,872.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 25,847.35 अंक तक लुढ़का। खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये सूचकांक 165.05 अंक उछल कर अभी तक के सर्वोच्च स्तर 25,956 अंक तक पहुंचने में भी सफल रहा। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 148.10 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का रिकॉर्ड बनाते हुए 25,939.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.35 प्रतिशत, बजाज ऑटो 3.33 प्रतिशत, ओएनजीसी 3.21 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 2.95 प्रतिशत और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, आयशर मोटर्स 1.68 प्रतिशत, डिवीज लेबोरेट्रीज 1.43 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 1.24 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 1.02 प्रतिशत और टेक महिंद्रा 0.92 प्रतिशत की गिरावट के साथ सोमवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

अब आलू और प्याज की कीमतें बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली।
आलू-प्याज के उत्पादन को लेकर एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई है, जिससे फिर से रसोई का खर्च बढ़ले की संभावना है। 2023-24 में भारत का बागवानी उत्पादन मामूली 0.65 फीसदी घटकर 353.19 मिलियन टन होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

जून में जारी 2023-24 के दूसरे एडवांस अनुमान में बागवानी फसलों का कुल उत्पादन 352.23 मिलियन टन होने का अनुमान लगाया गया था। प्रमुख क्षेत्रों में कम पैदावार के कारण प्याज और आलू का उत्पादन 242.44 लाख टन और 570.49 लाख टन होने की उम्मीद है। अन्य सब्जियां जैसे बैंगन, रतालू और शिमला मिर्च का उत्पादन भी कम हो सकता है, जिससे इनकी कीमतों को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

यह खाद्य महंगाई को प्रभावित कर सकता है। भारत में अगस्त में खुदरा महंगाई 3.65 फीसदी पर पहुंच गई, जो जुलाई में 3.6 फीसदी थी। कुल सब्जियों का उत्पादन 205.80 लाख टन होने की उम्मीद है। अनुमानों से पता चला है कि टमाटर, पत्तागोभी, फूलगोभी, टैपिओका, लौकी, कद्दू, गाजर, खीरे, करेला, परवल और भिंडी के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष की कीमत वृद्धि के कारण टमाटर का उत्पादन 4.38 फीसदी बढ़कर 21.32 मिलियन टन हो गया है।

रसोई में इस्तेमाल होने वाले खाद्य पदार्थों की कीमतें पिछले साल आसमान छूकर 250 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गईं, जिससे किसानों को ऊंची बाजार कीमतों का फायदा उठाने की उम्मीद में खेती बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। टमाटर के उत्पादन में वृद्धि से भोजन की लागत कम करने में मदद मिली है, शाकाहारी थाली में साल-दर-साल 8 फीसदी और मांसाहारी भोजन में 12 फीसदी की कमी आई है। फलों का उत्पादनआम, केले और अन्य फलों के कारण फलों का उत्पादन 2.29 फीसदी बढ़कर 112.73 मिलियन टन तक पहुंचने की उम्मीद है।

विमानन मनोविज्ञान के लिए औपचारिक कार्यक्रमों का अभाव है: मंत्री नायडू

नई दिल्ली।
नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने विमान परिचालन की सुरक्षा के लिए विमानन मनोविज्ञान क्षेत्र के साथ-साथ तनाव तथा थकान से निपटने के लिए मजबूत प्रणालियों की आवश्यकता पर सोमवार को जोर दिया। उन्होंने पायलट सहित अन्य के लिए तनाव तथा थकान से निपटने के लिए मजबूत कार्यक्रमों की भी वकालत की।

नायडू ने कहा कि विमानन मनोविज्ञान के लिए औपचारिक कार्यक्रमों का अभाव है। उन्नत मनोवैज्ञानिक पहलुओं को प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निरंतर सुरक्षा सुनिश्चित करना सामूहिक जिम्मेदारी है, क्योंकि मानवीय कारक भी विमान दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार होते हैं।

मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा विमान दुर्घटनाओं में मानवीय कारक पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में यह टिप्पणी की।

नायडू ने कहा कि सुरक्षा उपायों को भारतीय विमानन क्षेत्र की तीव्र वृद्धि के साथ तालमेल बनाए रखना होगा। उन्होंने लोगों को निरंतर कौशल प्रदान करने तथा उनका कौशल बढ़ाने का आह्वान किया।

सर्राफा बाजार में सोने की चमक घटी, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमत में मामूली गिरावट नजर आ रही है, जबकि चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 76,070 रुपये से लेकर 75,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 69,740 रुपये से लेकर 69,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी सपाट स्तर पर बिना किसी बदलाव के कारोबार कर रहा है। इस वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 93,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 76,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 75,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 75,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 75,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 76,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 69,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 75,970 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 69,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 76,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार होता रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मुनाफा वसूली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख नजर आ रहा है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने के बाद अमेरिकी बाजार में आई तेजी लंबे समय तक टिक नहीं सकी। पिछले सत्र के दौरान मुनाफा वसूली के दबाव की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,702.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,948.32 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,085.46 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 98.73 अंक यानी 1.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,229.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 115.15 अंक यानी 1.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,500.26 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 282.37 अंक यानी 1.51 प्रतिशत टूट कर 18,720.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 1 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशिया के बाजारों में से इकलौता जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.33 प्रतिशत टूट कर 7,717.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 109.50 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,950 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.54 प्रतिशत उछल कर 3,644.46 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 568.58 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ 37,723.91 एक अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 99.18 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,357.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.36 प्रतिशत उछल कर 22,238.92 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,599.41 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 1,452.38 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,756.39 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

जयसूर्या की शानदार गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को 63 रन से हराया

गाले। श्रीलंका ने सोमवार को गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट मैच न्यूजीलैंड को 63 रन से हरा दिया। श्रीलंका की जीत के हीरो रहे बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या, जिन्होंने दूसरी पारी में पांच विकेट लिए।

जीत के लिए 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम रचिन रवींद्र के 92 रनों की शानदार पारी के बावजूद 211 रनों पर ऑल आउट हो गई, क्योंकि उसके बाकी बल्लेबाज पिच कीर तेज टर्न और कम उछाल का सामना नहीं कर पाए। जयसूर्या (5-68) ने आठवीं बार पांच विकेट लिए, जिनमें से सात बार उन्होंने अपने पसंदीदा मैदान गाले पर लिए। न्यूजीलैंड को अंतिम दिन दो विकेट शेष रहते यादगार जीत के लिए 68 रनों की जरूरत थी, लेकिन श्रीलंका को जीत हासिल करने में केवल चार ओवर लगे।

न्यूजीलैंड की जीत की संभावना दिन के दूसरे ओवर में ही समाप्त हो गई, जब जयसूर्या ने रविंद्र की शानदार पारी का अंत किया, जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल था।

जयसूर्या ने अपने अगले ओवर में विलियम ओरूर्के को बोल्ड करके श्रीलंका की जीत सुनिश्चित की। मैच के बाद न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउथी ने कहा, पूरे टेस्ट मैच में हमने अच्छा प्रदर्शन किया। हमारे लिए इस मैच से बहुत सारी सकारात्मक बातें हैं, लेकिन निश्चित रूप से गलत पक्ष में आना निराशाजनक है। जयसूर्या ने मैच में नौ विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला, जबकि रमेश मेंडिस ने दूसरी पारी में तीन विकेट लिए। जयसूर्या ने कहा, मुझे गॉल की यह पिच पसंद है। मैं बस एक सुसंगत लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करने पर ध्यान केंद्रित करता हूं, और परिणाम प्राप्त करता हूं। मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंकाई टीम ने कामिंडु मेंडिस (114) के शानदार शतक और कुसल मेंडिस (50) के अर्धशतक की बदौलत अपनी पहली पारी में 305 रन बनाए। पहली पारी में न्यूजीलैंड के लिए विलियम ओरूर्के ने 5, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स ने 2-2 और कप्तान टिम साउथी ने 1 विकेट लिया। जवाब में न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में टॉम लॉथम (70), केन विलियमसन (55) और डेरिल मिचेल (57) के अर्धशतकों की बदौलत 340 रन बनाए और पहली पारी के आधार पर 35 रनों की बढ़त हासिल की। पहली पारी में श्रीलंका के लिए प्रभात जयसूर्या ने 4, रमेश मेंडिस ने 3 और कप्तान धनंजय डीसिल्वा ने 2 विकेट लिया। श्रीलंका ने इसके बाद अपनी दूसरी पारी में दिमुथ करूणारत्ने (83), दिनेश चांदीमल (61), एंजेलो मैथ्यूज (50) के अर्धशतकों की बदौलत अपनी दूसरी पारी में 309 रन बनाए और न्यूजीलैंड के सामने 275 रनों का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में कीवी टीम 211 रनों पर सिमट गई और 63 रन से मैच हार गई। दूसरा टेस्ट, गाले में ही गुरुवार से शुरू होगा।

न्यूज ब्रीफ

अश्विन से प्रभावित तमीम बोले, वह रोहित और विराट की तरह ही महत्वपूर्ण

चेन्नई। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने भारतीय टीम के स्पिनर आर अश्विन की

प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भी कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की तरह ही एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। तमीम के अनुसार एक प्रकार से देखा जाये तो उनका योगदान भी भारतीय क्रिकेट में रोहित, विराट की तरह रहा है। भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली 280 रनों की बड़ी जीत में भी अश्विन के ऑलराउंड प्रदर्शन कही अहम भूमिका रही। अश्विन ने पहली पारी में शतक के बाद दूसरी पारी में छह विकेट लिए थे। इसी कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला था। तमीम ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में भारत की पहली पारी के दौरान अश्विन एक शीर्ष बल्लेबाज की तरह खेल रहे थे। तमीम ने कहा कि उसने जो किया वह शानदार था, वह एक अच्छे बल्लेबाज की तरह बल्लेबाजी कर रहा था। मैं हमेशा विराट और रोहित के बारे में सुनता हूं पर मेरी नजर में अश्विन भी इतने ही अहम हैं। इसका पता इससे चलता है कि हम केवल तभी उनकी बात करते हैं जब वे टीम में होते हैं और अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

जूनियर फुटबॉल और एमएमए में भी भारतीय खिलाड़ियों ने हासिल की जीत

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने हाल में क्रिकेट के अलावा भी दो अन्य खेलों में अहम जीत हासिल की है पर हैरानी की बात है कि उसपर अधिक ध्यान नहीं दिया गया। बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली 280 रनों की जीत के बाद क्रिकेटरों की तो खूब बातें हुईं पर फुटबॉल और मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में मिली रिकार्ड जीत पर किसी का भी ध्यान इन खिलाड़ियों की ओर नहीं गया। क्रिकेट के अलावा भारतीय जूनियर फुटबॉल टीम ने भूटान में आयोजित सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप में जीत दर्ज की है। इसमें भारतीय टीम ने ग्रुप ए में बांग्लादेश को 1-0 से पराजित किया। इसमें भारतीय टीम की ओर से डिफेंडर सुमित शर्मा ने अंतिम क्षणों में सिर से गोल दागकर टीम को जीत दिलायी। इस जीत से भारतीय टीम को तीन टीमों के ग्रुप में तीन अंक मिले हैं। वहीं भारत के संग्राम सिंह ने भी जॉर्जिया (अमेरिका) में हुई इंटरनेशनल फाइटिंग चैंपियनशिप के मिश्रित मार्शल आर्ट (एमएमए) में भारत को पहली जीत दिलायी। संग्राम ने पाकिस्तान के अली रजा निसार को केवल 90 सेकंड में हराया। यह 93 किग्रा वर्ग में किसी पहलवान की सबसे कम समय में जीत का भारतीय रिकॉर्ड है।

नताशा से तलाक के बाद पहली बार बेटे अगस्त्य से मिलकर भावुक हुए हार्दिक

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पत्नी नताशा स्टेनकोविक से तलाक के बाद पहली बार अपने बेटे अगस्त्य से मिलकर भावुक हो गये। पंड्या और नताशा के बीच पिछले दिनों अलगाव हो गया था। इनकी शादी चार चाल में ही टूट गयी थी। हार्दिक करीब डेढ़ माह बाद अपने बेटे अगस्त्य से मुंबई में मिले। इस दौरान वह बेटे को गोद में उठाये बेहद खुश दिख रहे थे। इस मुलाकात का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इसमें हार्दिक पंड्या कार में बैठने से पहले बेटे अगस्त्य को गोद में उठाकर उनके साथ कुछ पल बिताना चाहते थे। इस दौरान वह अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं कर पाये। इस दौरान लंबे समय बाद दोनो की इस मुलाकात को देखकर प्रशंसकों को भी खुशी हुई। हार्दिक से अलग होने के बाद नताशा बेटे अगस्त्य को लेकर सर्बिया चली गई थीं पर हाल में वह मुंबई लौट आयी हैं। पंड्या आजकल अभ्यास में लगे हैं। जिससे कि वह रणजी ट्राफी खेलकर भारतीय टेस्ट टीम में जगह बना सकें।

भारत-बांग्लादेश दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा, पिच से स्पिनरों को सहायता मिलने की संभावना

मुम्बई। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच इसी माह 27 सितंबर से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम पहले टेस्ट में जीत के साथ ही इस सीरीज में 1-0 से आगे है और उसका लक्ष्य इस मैच को भी जीतकर सीरीज 2-0 से अपने नाम करना रहेगा। कानपुर क्रिकेट स्टेडियम की पिच पहले दिन से ही स्पिनरों की सहायक मानी जाती है। यहां की विकेट सूखी और धूल भरी होती है, जिससे स्पिनरों को अधिक टर्न मिलती है। इस विकेट में उछाल बहुत कम है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। भारतीय क्रिकेट ने इस स्टेडियम में अब तक 38 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी है। इसमें टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 सभी शामिल हैं। सभी प्रारुपों को मिलाकर भारत ने यहां 17 मैच जीते हैं जबकि 18 में उसे हार मिली है।

यूएसएन इंडियंस ने जीता उत्तराखंड प्रीमियर लीग के उद्घाटन संस्करण का खिताब

देहरादून। युवराज चौधरी और अखिल रावत के शानदार प्रदर्शन की बदौलत यूएसएन इंडियंस ने उत्तराखंड प्रीमियर लीग के उद्घाटन संस्करण का खिताब जीत लिया है। रविवार रात राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, देहरादून में खेले गए खिताबी मुकाबले में यूएसएन इंडियंस ने नैनीताल एसजी पाइपर्स को 40 रन से हराकर खिताब पर कब्जा किया।

युवराज चौधरी को उनके शानदार 103 रन की पारी और गेंदबाजी में 2 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द फाइनल चुना गया।

नैनीताल एसजी पाइपर्स के लिए यह दो दिनों में दूसरी बड़ी निराशा थी। शनिवार को उनकी महिला टीम उपविजेता रही, और रविवार को उनकी पुरुष टीम भी खिताब नहीं जीत पाई।

204 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नैनीताल एसजी पाइपर्स की शुरुआत धमाकेदार रही। सलामी बल्लेबाज अवनीश सुधा और प्रियंशु खंडूरी ने पावरप्ले का भरपूर फायदा उठाते हुए सिर्फ 4 ओवर में 51/0 का स्कोर खड़ा कर दिया।

हालांकि, यूएसएन इंडियंस के अग्रिम तिवारी ने प्रियंशु खंडूरी (12 गेंदों में 26 रन) का महत्वपूर्ण विकेट लेकर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद अवनीश सुधा भी सातवें ओवर में 33 रन (22 गेंदों में) बनाकर स्टंप आउट हो गए।

दोनों सेट बल्लेबाजों के आउट होने के बाद नैनीताल की मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर जिम्मेदारी आई, लेकिन वे दबाव में टिक नहीं पाए और लगातार विकेट गंवाते रहे। हर्ष राणा ने 16 गेंदों में 35 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली, लेकिन नैनीताल की टीम 17.1 ओवर में 163 रन पर सिमट गई।

यूएसएन इंडियंस की ओर से प्रशांत चौहान ने 3/35 का शानदार प्रदर्शन किया, जबकि युवराज चौधरी और अग्रिम तिवारी ने दो-दो विकेट लिए।

इससे पहले नैनीताल एसजी पाइपर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, यूएसएन इंडियंस की शुरुआत खराब रही। तीसरी ही गेंद पर उनके सलामी बल्लेबाज आरव महाजन बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कप्तान कुनाल चंदेला भी सिर्फ 5 रन बनाकर अगले ही ओवर में पवेलियन लौट गए।

शुरुआती झटकों के बाद, यूएसएन इंडियंस के स्टार बल्लेबाज युवराज चौधरी ने अपनी लय पकड़ते हुए पावरप्ले का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने मयंक मिश्रा के ओवर में दो चौके और दो छक्के लगाकर खेल की दिशा बदली।

हालांकि, युवराज को स्थिर साझेदार नहीं मिल पाया, क्योंकि दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। शशांक पंत ने 13वें ओवर तक टिककर 20 रन (22 गेंदों में) बनाए, लेकिन वे भी आउट हो गए, जिससे यूएसएन इंडियंस का स्कोर 101/5 हो गया।

खेल में नया मोड़ तब आया जब अखिल रावत क्रीज पर आए और युवराज चौधरी के साथ धमाकेदार बल्लेबाजी की। दोनों ने आखिरी पांच ओवरों में बड़े शॉट्स लगाए, जिसमें युवराज ने चार गेंदों में तीन छक्के लगाकर 47 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। हालांकि, शतक पूरा करने के बाद वे अगली ही गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने 49 गेंदों में 103 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 11 छक्के शामिल थे।अखिल रावत ने भी युवराज से प्रेरणा लेते हुए अंत तक धमाकेदार बल्लेबाजी की और अंतिम ओवर में लगातार चार छक्के लगाकर यूएसएन इंडियंस को 203/7 के विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया। उन्होंने 25 गेंदों में नाबाद 61 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 7 छक्के शामिल थे।

यूएसएन इंडियंस को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विजेता ट्रॉफी और 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की।

यूएसएन इंडियंस के खिलाड़ियों ने सभी सीजन पुरस्कार भी जीते। युवराज चौधरी को प्लेयर ऑफ द फाइनल के साथ-साथ ऑरेंज कैप से भी नवाजा गया, क्योंकि उन्होंने पांच मैचों में 322 रन बनाए। इसके साथ उन्हें 20,000 रुपये की पुरस्कार राशि भी मिली। उन्होंने प्रतिष्ठित जय हिंद ऑटो टेक इंडस्ट्रीज प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी जीता, जिसमें उन्हें 1,00,000 लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिला।

प्रशांत चौहान को पर्पल कैप और 20,000 रुपये के साथ बॉलर ऑफ द लीग का खिताब मिला, जबकि युवा ओपनर आरव महाजन को इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द लीग का पुरस्कार दिया गया, जिसमें उन्हें 20,000 रुपये की नकद राशि भी मिली।

बुन्देसलीगा: वोल्फ्सबर्ग को 4-3 से हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा बेयर लीवरकुसेन

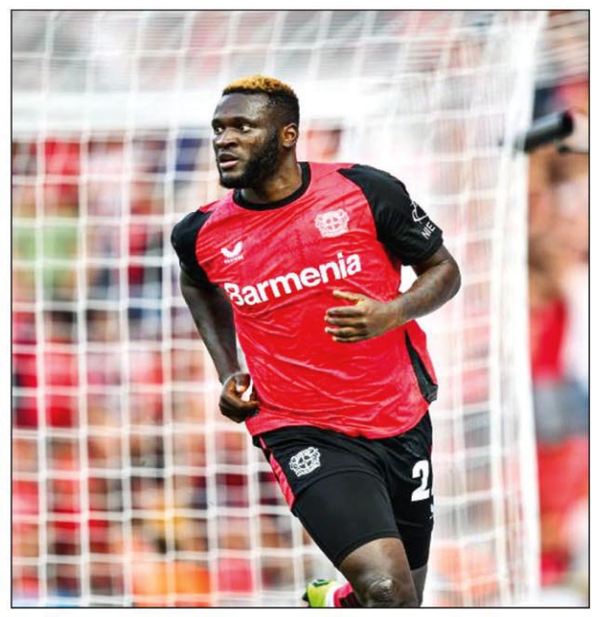

बर्लिन। बेयर लीवरकुसेन रविवार को बुन्देसलीगा में वोल्फ्सबर्ग को 4-3 से हराकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया। लीवरकुसेन ने शानदार शुरुआत की, लेकिन पांच मिनट बाद ही वह 1-0 से पीछे हो गया, जब डिफेंडर नॉर्डी मुकीले ने मोहम्मद अमौरा के खतरनाक हेडर को अपनी ही गोल पोस्ट में डाल दिया। हालांकि मैच के 14वें मिनट में फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने गोल कर लीवरकुसेन को 1-1 से बराबरी दिला दी।

कुछ ही क्षणों बाद लीवरकुसेन ने वापसी की जब जोनाथन ताह ने एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो के पास पर हेडर से गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। हालांकि, लेवरकुसेन की बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रही, क्योंकि सेबेस्टियन बोर्नौ ने 37वें मिनट में हेडर के जरिये गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मैथियास स्वानबर्ग ने 18 मीटर की दूरी से गोल कर वोल्फ्सबर्ग को हाफटाइम के पहले 3-2 की बढ़त दिला दी।

खेल पुन: शुरू होने के बाद, लेवरकुसेन के कोच ज़ाबी अलोंसो ने प्रतिक्रियास्वरूप पिएरो हिनकापी को मैदान में उतारा, जिन्होंने तुरंत प्रभाव डालते हुए दूसरे हाफ के चौथे मिनट में गोल कर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। इसके बाद अतिरिक्त समय में विक्टर बोनिफेस ने गोल कर लीवरकुसेन को 4-3 से आगे कर दिया और अंतिम हूटर बजने पर यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

हरभजन से प्रेरित थे अश्विन गेंदबाजी एक्शन की करते थे नकल

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि जब वह शुरुआत में भारतीय टीम में आये थे तो दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह की नकल करते थे। इस कारण ये था कि वह हरभजन ने प्रेरित थे और उन्हीं की तरह गेंदबाजी करना चाहते थे। इसके लिए वह हरभजन के गेंदबाजी एक्शन की नकल भी करते थे। उन्होंने कहा कि जब वह हरभजन की जगह पर भारतीय टेस्ट टीम में लिए गये तो लोगों को लगा कि वह किस प्रकार उनकी जगह ले पायेंगे।

अश्विन ने कहा, मेरे लिए टीम में अपने को साबित करना बहुत बड़ी चुनौती थी। मैं जूनियर आयु वर्ग में उनके एक्शन को दोहराता था और गेंदबाजी करता था, इसलिए वे मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा थे। जब मैं उनकी जगह टीम में आया, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि हम दोनों एक ही समय में एक साथ खेलेंगे, लेकिन ऐसा हुआ। इस बात को लेकर हमेशा संदेह रहता था कि मैं लाल गेंद वाले क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा या नहीं, क्योंकि मैं आईपीएल से आया था।

अश्विन 750 अंतरराष्ट्रीय विकेटों का आंकड़ा हासिल करने के साथ ही मुथैया मुरलीधरन, शेन वॉर्न और अनिल कुंबले के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल चौथे स्पिनर बने हैं।उन्होंने कहा, लेकिन टेस्ट क्रिकेट एक ऐसा प्रारूप है जिसे मैं पसंद करता हूं और मैं हर दिन इसमें सुधार करना चाहता हूं। इस दौरान कई लोगों ने मेरी मदद की और मैं उसी कारण आज यहां तक पहुंचा हूं।

अश्विन के नाम अब 522 टेस्ट विकेट हैं। अश्विन ने खुलासा किया कि टेस्ट क्रिकेट में पिछले कुछ वर्षों में उनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कैसे विकसित हुई है। उन्होंने कहा, मैं ऐसा नहीं सोचता कि मैं वहां जाकर शतक बनाना चाहता हूं। मैं वास्तव में हर टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने का लक्ष्य रखता हूं। लेकिन हाल के वर्षों में मेरी बल्लेबाजी पहले की तुलना में सरल हो गई है।

भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने विश्व शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीते, प्रधानमंत्री ने दी बधाई

बुडापेस्ट।

भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने यहां हुए 45वीं फीडे विश्व शतरंज ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते हैं। ये पहली बार है जबकि महिला और पुरुष दोनों ही वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों को खिताबी जीत मिली है। पुरुष वर्ग में अर्जुन एरिगासी और गुकेश डी ने भारतीय टीम को जीत दिलायी जबकि महिला वर्ग में ये कमाल दिव्या देशमुख और वन्तिका अग्रवाल ने किया।

भारत पुरुष वर्ग में अंतिम राउंड शुरू होने के पहले ही 19 अंक बनाकर चीन से 2 अंक आगे था ऐसे में अंतिम

पहले बोर्ड पर गुकेश नें 10 राउंड में 9 अंक बनाकर तो अर्जुन नें तीसरे बोर्ड पर 11 में से 10 अंक बनाकर व्यक्तिगत स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि भारत के ही विदित गुजराती नें चौथे बोर्ड पर कांस्य पदक अपने नाम किया है। अंतिम दौर में चीन की अमेरिका के हाथ पराजय के कारण भारतीय टीम ने रिकॉर्ड 4 मैच अंक के अंतर से खिताब पर कब्जा कर लिया।

वहीं महिला वर्ग में दिव्या देशमुख और वन्तिका अग्रवाल ने अपने शानदार प्रदर्शन से महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जिताया। दिव्या ने 11 राउंड में 9.5 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। फाइनल दौर में, उन्होंने अजरबैजान की गोवहार बी को हराकर भारत को निर्णायक बढ़त दिलाई।

वहीं वन्तिका अग्रवाल ने चौथे बोर्ड पर 9 वें दौर में 7.5 अंक बटोरकर स्वर्ण पदक जीता। फाइनल राउंड में उन्होंने अजरबैजान की खनिम बालजाएवा को हराते हुए भारत को 3-0 से बढ़त दिलाकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

प्रधानमंत्री , गृहमंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दी बधाई

शतरंज ओलंपियाड में खिलाड़ियों को इस एतिहासिक सफलता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के अलावा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी इन खिलाड़ियों को बधाई दी है। साथ ही कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपनी सफलता से देश को गौरवान्वित किया है।

हरयाणवी हंटर्स ने जीता एंटरटेनर्स क्रिकेट लीग 2024 का खिताब

आकाश यादव (लखनऊ लायंस) ने ऑरेंज और कशिश पुंधीर (हरयाणवी हंटर्स) ने पर्पल कैप जीता

नई दिल्ली। हरयाणवी हंटर्स ने एंटरटेनर्स क्रिकेट लीग (ईसीएल) टी10 के उद्घाटन संस्करण का खिताब जीत लिया है। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में रविवार रात खेले गए शानदार मुकाबले में हरयाणवी हंटर्स ने लखनऊ लायंस को 8 विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा किया। हरयाणवी हंटर्स के रोहित लांबा को उनके अद्वितीय ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज चुना गया।

लखनऊ लायंस के कप्तान अनुराग द्विवेदी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन उनकी टीम को शुरुआत में ही झटके लगे। अनुराग खुद 6 गेंदों पर सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हो गए। हरयाणवी हंटर्स के तेज गेंदबाज रोहित लांबा ने दूसरा ओवर करते हुए 3 विकेट झटके, जिससे लायंस की टीम का स्कोर 4 विकेट पर 28 रन हो गया। टूर्नामेंट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले ऑरेंज कैप धारक आकाश यादव भी केवल 6 रन बनाकर आउट हो गए।

हालांकि, लखनऊ लायंस को अमनदीप सिंह (46 रन, 17 गेंदों पर) और आशीष कुमार मीणा (35 रन, 17 गेंदों पर) के बीच 65 रनों की तेज साझेदारी से थोड़ी स्थिरता मिली, लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाज जल्दी आउट हो गए। रोहित लांबा के 3 विकेट (26 रन देकर) और अनुज चौधरी के शानदार 2 विकेट (8 रन देकर) की बदौलत हरयाणवी हंटर्स ने लखनऊ लायंस को 10 ओवरों में 131/9 पर सीमित कर दिया।

जवाब में हरयाणवी हंटर्स के कप्तान एल्विश यादव ने अपनी स्टार पावर का परिचय देते हुए धमाकेदार पारी खेली। उन्होंने सिर्फ 8 गेंदों में 30 रन ठोक दिए, जिसमें 5 शानदार छक्के शामिल थे, जिससे उन्होंने टीम के रन चेज की शुरुआत शानदार की। हालांकि, केशव चौधरी 6 रन बनाकर आउट हो गए, फिर भी हंटर्स ने 4 ओवरों में 63/2 का स्कोर बना लिया था।

ललित यादव (30*) और अनुज चौधरी (63*) की नाबाद 83 रनों की साझेदारी ने हरयाणवी हंटर्स को 7.1 ओवर में 135/2 के स्कोर तक पहुंचा दिया, जिससे उन्होंने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया और चैंपियनशिप जीत ली।

रोहित लांबा और अनुज चौधरी को संयुक्त रूप से मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया, क्योंकि दोनों ने बल्ले और गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया। लखनऊ लायंस के आकाश यादव ने 330 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की, जबकि हरयाणवी हंटर्स के कशिश पुंधीर को 14 विकेट लेकर पर्पल कैप से नवाजा गया।

प्राकृतिक तरीकों से करें जुकाम का उपचार

कुछ घरेलू उपचार के तरीके

सुहागे को तवे पर फुला कर बारीक पीस कर शीशी में भर लें।

नजला-जुकाम होने पर आधा ग्राम (बच्चों के लिए आधी मात्रा) गरम पानी के साथ दिन में तीन बार लें। पहले दिन से आराम आना शुरु हो जाएगा।

विशेष: सुहागे को फुलाने या खील बनाने के लिए सुहागे को बारीक कूट कर लोहे को स्वच्छ कड़ाही में या तवे पर डालें और तेज आंच में इतना पकाएं कि पिघलने के पश्चात् सूख जाए। यह धीरे-धीरे फूलने लगेगा। फूलने के बीच लोहे की छुरी से इसे उलट-पुलट करते रहें। सारा सुहागा फूलने के बाद पीस लें।

काली मिर्च और बताशा

सात काली मिर्च और सात बताशे पाव भर जल में पकाएं। चौथाई रहने पर इसे गरमागरम पी लें और सारा शरीर ढ़क कर दस मिनट तक लेट जाएं। सुबह खाली पेट और रात सोते समय दो दिन प्रयोग करें। जुकाम के अलावा खांसी, हल्की हरारत और शरीर के दर्द में भी आराम मिलता है। ज्वर सहित जुकाम होने पर सात तुलसी की पत्तियां भी काढ़ा बनाते समय डाल दें और यह काढ़ा दिन में दो बार लें।

तुलसी की चाय

ताजा तुलसी की पत्तियां 7 से 11 तक (अथवा छाया में सुखाई गई तुलसी की पत्तियों का चूर्ण एक ग्राम या चौथाई चम्मच), ताजा अदरक दो ग्राम (या सूखी सौंठ का चूर्ण आधा ग्राम), काली मिर्च (कुटी हुई) सात नग-तीनों वस्तुओं को 200 ग्राम उबलते हुए पानी में दो मिनट उबालें। फिर नीचे उतारकर दो मिनट ढ़क दें। अब छानकर इसमें उबला हुआ दूध 100 ग्राम और मिश्री या चीनी एक-दो चम्मच डालकर गरम-पी लें। पांच-दस मिनट सो जाएं। इससे सर्दी का सिर दर्द, नाक में सर्दी, जुकाम, श्वास नली में सूजन एवं दर्द (ब्रोनकाइटिस), साधारण बुखार, मलेरिया, बदहजमी आदि रोग दूर होते हैं। बच्चों को चाय में आधी मात्रा दें। दिन में दो बार आवश्यकतानुसार दो-तीन दिन लें। गले के रोगों और श्वसन प्रणाली की झिल्ली पर स्वास्थ्यकर प्रभाव डालने की तुलसी में अदभुत क्षमता है। जमा हुआ कफ ढ़ीला होकर निकल जाता है।

जुकाम में नाक बंद होना

10 ग्राम अजवायन को एक साफ कपड़े की पोटली में बांध कर तवे पर गर्म कर लें। फिर इसे बार-बार सूंघने से जुकाम में आराम होता है, बंद नाक खुल जाती है, गंदा पानी निकल जाता है व सिर का भारीपन मिट जाता है।

छाती का दर्द/पसली चलना

अजवायन एक चम्मच को 250 ग्राम पानी में उबालें, चौथाई शेष रहने पर काढ़े को छान कर रात को पीकर सो जाएं। दिन में दो बार नियमित पीने से 5-7 दिन में छाती का दर्द नष्ट होता है। यह काढ़ा दो चम्मच की मात्रा से दिन में दो बार कुछ दिन देने से पसली चलना भी ठीक होता है।

कड़वा करेले के कई फायदे

करेले के कड़वेपन की वजह से भले ही ज्यादा लोग इसे नापसंद करते हों लेकिन इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो हमें निरोगी बनाए रखने में खासे मददगार साबित हो सकते हैं। इसमें अधिक मात्रा में विटामिन-ए, बी और सी होते हैं। यह कैरोटीन, बीटाकैरोटीन, लूटीन, आयरन, जिंक और मैगनीशियम से भरपूर होता है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे, मुंहासे व त्वचा रोगों में लाभ होता है।

क्या है ये हाइलेंडर सिंड्रोम

हाइलेंडर सिंड्रोम सुनने में तो बाकी अजीब बीमारियों की ही तरह लगता है, लेकिन ये सिंड्रोम बड़ा ही अजीब और विरला है। इस सिंड्रोम से पीड़ित किसी व्यक्ति की उम्र बेहद ज्यादा हो जाने के बाद भी वह किसी बच्चे जैसा ही दिखाई पड़ता है। हालांकि हाइलेंडर सिंड्रोम पर अभी भी शोध हो रहे हैं और इसके बारे में अधिक जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। कोरिया के ह्योमिन शिन हाइलेंडर सिंड्रोम से पीड़ित हैं।

स्वास्थ्य की कुंजी है आपके हाथों में

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में खुद को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी हो गया है। आप कुछ मूलभूत बातें ध्यान में रखें और समय-समय पर डॉक्टर से रूटीन चेकअप कराते रहें तो कई बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं।

स्वस्थ शरीर के कुछ मूलभूत पैमाने होते हैं, जिन्हें परख कर आप अपने स्वास्थ्य की जांच कर सकते हैं और भविष्य में होने वाली किसी बड़ी बीमारी या उसके खतरे से खुद को बचाए रख सकते हैं।

कितना हो आपका वजन

किसी भी व्यक्ति का आदर्श वजन उसके मसल्स, मोटापे आदि पर निर्भर करता है। आदर्श वजन होने का अर्थ यह नहीं है कि हर स्थिति में व्यक्ति के शरीर का वजन भी एक जैसा रहे, बल्कि समय व परिस्थिति के मुताबिक वजन में परिवर्तन होते रहना स्वाभाविक है। आदर्श वजन में आपकी उम्र और लंबाई के आधार पर आपका कुछ निश्चित वजन होना चाहिए।

शोध के अनुसार

आपके आदर्श वजन के लिए अंतराराष्ट्रीय मानक बीएमआई यानी बॉडी मास इंडेक्स को माना जाता है। इसके अनुसार एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए 23 से 30 बीएमआई तक रखा गया है। 23 से कम अंडरवेट और 30 से अधिक बीएमआई को ओवरवेट की श्रेणी में रखा गया है। अंडरवेट यानी कम वजन होने पर आपके पूरे शरीर की कार्यशैली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। याददाश्त कम होती है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षीण हो जाती है। ओवरवेट होने की स्थिति में मोटापा, हृदय रोग, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, उच्च रक्तचाप, जोड़ों में दर्द और लिवर पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

हीमोग्लोबिन की कमी

हमारे शरीर में हीमोग्लोबिन का सही स्तर होना बहुत जरूरी है। हीमोग्लोबिन की कमी से आप एनीमिया और कुपोषण की चपेट में आ सकते हैं। महिलाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर 12 से 16 के बीच होना चाहिए, जबकि पुरुषों में 14 से 18 के बीच। शरीर में हीमोग्लोबिन के निर्माण का कार्य आयरन ही करता है, जो शरीर के अंगों को सुडौल और शरीर को स्वस्थ रखता है। इसलिए शरीर में आयरन संतुलित मात्र में होना चाहिए। आयरन की कमी या अधिकता दोनों ही शरीर के लिए हानिकारक साबित हो सकती हैं। हीमोग्लोबिन की कमी से थकान होना, सांस फूलना, हाथ-पैरों में सूजन आदि की समस्या होती है। इससे रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और एनीमिया हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल का नियंत्रण जरूरी

शरीर में अतिरिक्त चर्बी जहां नुकसान देती है, वहीं वसा की कमी के कारण कई सेल्स और हार्मोस बनने बंद भी हो सकते हैं। हमारे शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल होते हैं, जिन्हें गुड कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल और बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल की श्रेणी में रखा गया है। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर का एलडीएल 130 से नीचे और एचडीएल महिला में 40 से ज्यादा और पुरुष में 50 से ज्यादा होना चाहिए।

रक्तचाप रहे नियंत्रित

स्वस्थ व्यक्ति का रक्तचाप नियंत्रण में रहना बहुत जरूरी है। स्वस्थ शरीर का ऊपरी रक्तचाप यानी सिस्टोलिक 130 और नीचे का रक्तचाप यानी डाइस्टोलिक 80 होना चाहिए। ये दोनों रक्तचाप कम या ज्यादा हों तो उच्च या निम्न रक्तचाप की स्थिति होती है।

ध्यान दें

उच्च रक्तचाप की स्थिति में व्यक्ति को हाइपरटेंशन, हार्ट प्रॉब्लम, किडनी रोग, नर्व सिस्टम पर बुरा असर, मस्तिष्क पर प्रतिकूल प्रभाव, आई साइट कम होना और सिरदर्द जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। निम्न रक्तचाप में घबराहट, पसीना आना, कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर आने जैसी समस्याएं दिखती हैं।

सही पॉश्चर दूर कर सकता है आपके दर्द

जो लोग कम्प्यूटर पर लगातार काम करते हैं, उन्हें अमूमन बैक पेन, कलाई या कमर के दर्द की शिकायत हो जाती है। ऐसा न हो, इसके लिए जरूरी है कि कुछ सावधानियां बरती जाएं।

कुर्सी से चिपकी रहे पीठ

कम्प्यूटर के सामने बैठते वक्त हमारी पीठ एकदम सीधी हो। खासतौर से हमारी रीढ़ की हड्डी। वह कुर्सी से पूरी तरह से चिपकी हुई हो। कुर्सी पर इस तरह से बैठें कि रीढ़ की हड्डी और कुर्सी के बीच जगह न बचे। कोशिश करें कि हिप्स तक का हिस्सा कुर्सी से चिपका हुआ हो।

स्ट्रेट गर्दन, स्ट्रेट चेहरा

हमारी गर्दन भी स्ट्रेट होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को आगे की ओर निकाल लेते हैं, यह गलत है। गर्दन कंधों से ऊपर होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को कंधे के बीच में धंसा लेते हैं। यह भी गलत है, इससे भी समस्या हो सकती है। इसी तरह से यह भी ध्यान रखें कि चेहरा बाहर की ओर निकला हुआ न हो। चेहरा सामान्य अवस्था में होना चाहिए। अगर चेहरा कंधों से बाहर निकला है तो गर्दन पर दबाव पड़ेगा, जो अच्छा नहीं है।

सीधी रखें अपनी कलाई

अगर आप कलाई के दर्द से बचना चाहते हैं तो कोशिश करें कि हाथ माउस या कीबोर्ड की दिशा में एकदम सीधा हो। अगर आप उसे कोहनी से मोड़कर रखेंगे तो आपकी कलाई में दर्द होने की पूरी संभावना है।

फुटरेस्ट पर रखें पैर

ये भी कोशिश करें कि आपकी कुर्सी के आगे फुट सपोर्ट या सपोर्टिंग स्टूल हो, जिस पर आप पैरों को फैला कर रख सकें। पैरों को 90 डिग्री के कोण पर रखते हुए काम करने से पैरों में दर्द हो सकता है।

शरीर के पास रखें हाथ

हाथ और कोहनी को शरीर के पास रखें, ताकि शरीर को पूरा सपोर्ट मिल सके। शरीर और हाथ के बीच दूरी होगी तो मांसपेशियों में दर्द हो सकता है

स्टैमिना की स्पेशल डायट

मॉडर्न लाइफस्टाइल में चाहे कामकाजी युवा हो, स्टुडेंट हो या हाउसवाइफ सब शरीर की औसत शक्ति से ज्यादा मेहनत करते हैं। इसीलिए एक्स्ट्रा स्टैमिना की जरूरत होती है। एक्स्ट्रा स्टैमिना तब मिलता है, जब हम उसके लिए स्पेशल डायट लें। जो लोग इस पहलू को नहीं समझते, वे कई तरह की शिकायतों का सामना करते हैं। मसलन छोटे-छोटे काम करके ही थक जाते हैं। सीढ़ियां चढ़ने पर सांस चढ़ने लगती है। कई बार समस्या इतनी बढ़ जाती है कि लोग अचानक से चक्कर खाकर गिर जाते हैं या बेहोश हो जाते हैं। ऐसी कौन -सी चीजें हैं, जिन्हें नियमित रूप से खाने से हमारी स्टैमिना पावर बढ़ जाती है।

विटामिन सी

ऐसे फलों का नियमित सेवन करना चाहिए, जिनमें विटामिन सी पाया जाता हो। एक्सपर्ट मानते हैं कि अंगूर ऐसे फलों में बेस्ट हैं। अंगूर से न सिर्फ शरीर में एनर्जी बनती है, बल्कि दिन भर एनर्जी का संतुलित लेवल शरीर में बना रहता है।

विटामिन बी: अनाज तो हम सब खाते हैं। अगर हम ऐसे अनाज खायें, जिनमें विटामिन बी अच्छी मात्रा में हो तो हमारा स्टैमिना और अच्छा हो सकता है।

गेहूं की घास: दूध में गेहूं की छोटी घास मिला कर खाएं तो यह भी हेल्दी नाश्ता माना जाता है। कहते हैं कि इसमें सब्जियों के मुकाबले 25 गुना अधिक पौष्टिक तत्व होते हैं।

ओट

ओट का सेवन हम सुबह या शाम के नाश्ते में कर सकते हैं। ओट पानी या दूध के साथ मिला कर खाया जाता है।

मूंग की दाल

मूंग की दाल हम उबाल कर या तल कर खा सकते हैं। इसे स्प्राउट के रूप में भी खा सकते हैं। इसका सूप बना कर पी सकते हैं।

स्क्वैश

फलों से बने स्क्वैश पीने से भी शरीर में हारमोंस और ब्लड शुगर का लेवल ठीक रहता है। स्क्वैश और जूस में यह अंतर होता है कि जूस केवल रस होता है, जबकि स्क्वैश में फलों का पल्प भी होता है, जिससे ये ज्यादा पौष्टिक होते हैं।

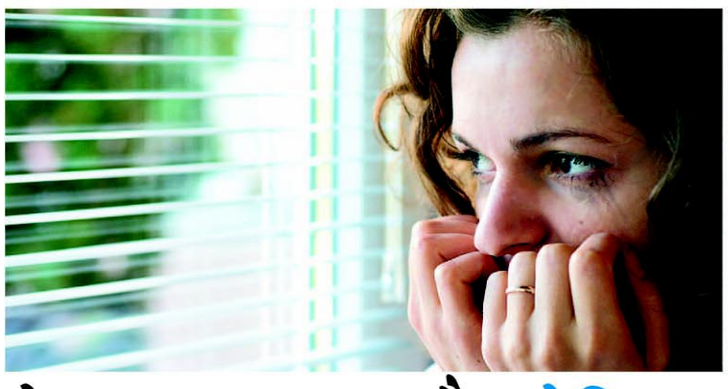

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया?

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है। ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉक्टर बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढ़ांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

सोशलफोबिया

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

रेसिपी

कोकोनट पछड़ी

सामग्री

3/4 कप ताजा दही, फेंटा हुआ
1/3 कप ताजा कसा हुआ नारियल
2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च
1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक
नमक स्वादअनुसार
2 टी-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल
1/4 टी-स्पून सरसों
7 से 8 कड़ी पत्ते

विधि

दही, नारियल, हरी मिर्च, अदरक और नमक को साथ में परोसने के बाउल में अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। तड़के के लिए, एक छोटे पॅन में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, कड़ी पत्ते डालकर, मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। तड़के को दही-नारियल के मिश्रण के उपर डालकर अच्छी तरह मिला लें। तुरंत परोसें।

गौंद के लड्डू

सामग्री

3 टेबल-स्पून गौंद
4 1/2 टेबल-स्पून घी
1 1/4 कप गेहूं का आटा
1/2 कप पीसी हुई शक्कर
1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर
घी, तलने के लिए

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में 31/2 टेबल-स्पून घी गरम करें, गेहूं का आटा डालकर, मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 6 मिनट तक भुन लें। पुरी तरह ठंडा करने के लिए रख दें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तलने के लिए घी गरम करें और गौंद के फूलने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकाल लें। पीसी हुई शक्कर, तले हुए गौंद, इलायची पाउडर, बचा हुआ 1 टेबल-स्पून घी और भूने हुए आटे को एक गहरे बाउल मे अच्छी तरह मिला ले। मिश्रण को 15 भाग में बांटकर गोले बना लें। परोसें या हवा बद डब्बे में रखकर संग्रह करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**